पटना ● मंगलवार, 09 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः178 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

सदर अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य ... 3 www. bordernewsmirror.com 40 की उम्र में भी नहीं थम... 8

मुंबई में 6 घंटे में 300 मिमी बारिश

● 50 फ्लाइट्स, 5 ट्रेन कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में कल देर रात 1 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक छह घंटों में करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी भी घटी। रात 2 :22 बजे से सुबह 11 बजे तक की 50

फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा। इनमें से 42 फ्लाइट्स इंडिगो, 6 फ्लाइट्स एयर इंडिया और 2 फ्लाइट्स अन्य एयरलाइंस की हैं। रेलवे ने बताया कि ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेन कैंसिल कर दी गईं। वहीं कुछ लोकल ट्रेन भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में बीएमसी ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। वहीं, महाराष्ट्र के रायगढ़ फोर्ट में सोमवार सुबह 3 बजे से तेज बारिश हो रही है। इस कारण फोर्ट की सीढ़ी पर तेज रफ्तार से पानी बह रहा है।

म.प्र.में कैबिनेट मंत्री की शपथ लेनी थी, राज्यमंत्री की ले ली

● रामनिवास रावत को दो बार शपथ दिलाई गई

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट का सोमवार को विस्तार हुआ।

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए विधायक रामनिवास रावत को राजभवन में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेनी थी। उन्होंने सुबह करीब 9.03 बजे बतौर राज्यमंत्री शपथ ले ली। गलती का अहसास हुआ तो उनको करीब 9.18 बजे फिर कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई गई। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई मंत्री शामिल हुए। रावत शपथ लेते समय रिकॉर्ड में कांग्रेस विधायक ही थे।

राहुल गांधी मणिपुर हिंसा के प्रभावितों से मिले

● जिरिबाम, चुराचांदपुर के रिलीफ कैंप में लोगों से मुलाकात की

इंफाल/गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को असम और मणिपुर के दौरे पर हैं। राहुल ने दोपहर 3 बजे के करीब मणिपुर के चुराचांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप में मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के मुलाकात की। अब राहुल शाम 4.30 बजे मोईरांग में

फुबाला कैंप में पहुंचें। राजभवन में गवर्नर से मुलाकात की ,इससे पहले राहुल दोपहर 12 बजे जिरिबाम पहुंचे थे। यहां हायर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए राहत शिविर में मौजूद लोगों से मुलाकात की थी। इससे पहले सुबह 10 बजे पहले असम के सिलचर पहुंचे थे। उन्होंने फुलेरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। यह इलाका हिंसा प्रभावित मणिपुर से लगा हुआ है।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा; बंकर बनाए, इलाके में बख्तरबंद गाड़ियां भी मौजूद

नईदिल्ली (एजेंसी)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। एस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की हैं। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं।

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है।

2020 में भारतीय सैनिकों से झड़प के बाद चीन ने बनाए बंकर- 5 मई 2020 को चीनी सैनिक और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं।

ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया की इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो।

सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया

ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है, जहां जून 2020 को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। अब तक भारत सरकार की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है। एक पूर्व भारतीय सेना के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि आज के समय में उपग्रहों या हवाई निगरानी प्लेटफार्मों का उपयोग करके सब कुछ सटीक रूप से पता लगाया जा सकता है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए सुरंग बनाना ही एकमात्र उपाय है।

इससे पहले तिब्बत के पास तैनात किए थे लड़ाकू विमान- इस साल मई में चीन ने उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के समीप तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर अत्याधुनिक जे20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों को तैनात किया था।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में घुसी रोडवेज बस

पति-पत्नी व बेटे की मौत

शाहपुरा (जयपुर) (एजेंसी)। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में रोडवेज बस जा घुसी। बस में सवार पति-पत्नी व बेटे की मौत हो गई, जबकि 20 सवारियां घायल हैं। इनमें से 11 लोगों की हालत गंभीर है। एक यात्री (मृतक) का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा सोमवार सुबह करीब 4 बजे जयपुर के शाहपुरा में अलवर कट के पास हुआ।

हेमंत कैबिनेट में चंपाई-रामेश्वर समेत 11 ने ली शपथ

● झारखंड विधानसभा में सीएम ने फ्लोर टेस्ट पास किया पक्ष में 45, विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन की सरकार ने सदन में विश्वासमत हासिल कर लिया है। सरकार के पक्ष में 45 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 0 वोट डाले गए। सदन में बहुमत साबित करने के बाद हेमंत कैबिनेट का विस्तार किया गया। नये मंत्री के रूप में सबसे पहले चंपाई सोरेन ने शपथ ली। इसके बाद रामेश्वर उरांव, दीपिका पांडेय सिंह, बैजनाथ राम और इरफान अंसारी मंत्री पद की शपथ ली।

इसके साथ ही दीपक बरुआ, बन्ना गुप्ता, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल हसन और बेबी देवी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। हांलाकि, हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन को कैबिनेट में जगह नहीं मिली है।

इससे पहले, सदन में विश्वास मत पर चर्चा के दौरान जैसे ही सीएम हेमंत सोरेन बोलने के लिए उठे, वैसे ही बीजेपी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। सीएम ने कहा कि मुझे सदन में फिर से देखकर विपक्ष को कैसा लग रहा होगा, मैं समझ सकता हूं। साथ ही कहा कि सदन में विपक्ष के जितने भी विधायक दिख रहे हैं, उनमें से आधे भी अगली बार दिख गए तो बड़ी बात होगी। सीएम ने चंपाई सोरेन को 5 महीने सरकार चलाने के लिए बधाई दी। बता दें कि 28 जून को हेमंत सोरेन जेल से रिहा हुए थे। 3 जुलाई को चंपाई सोरेन ने इस्तीफा दिया था और हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। 5 जुलाई को हेमंत सोरेन ने तीसरी बार सीएम पद की शपथ ली थी।

'आयो म्हारा ढोलना' से हुआ पीएम मोदी का भव्य स्वागत

मास्को एयरपोर्ट पर मिला गार्ड ऑफ ऑनर

● मॉस्को पहुंचे पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत ● रूसी कलाकारों ने हिंदी गानों पर किया नृत्य

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के मॉस्को पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वीएनयूकोवो-आईआई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की। मंटुरोव और प्रधानमंत्री मोदी ने हाथ मिलाया और एक-दूसरे का अभिवादन किया। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मॉस्को (रूस) पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। वे राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

- **भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का किया जोरदार स्वागत-** भारतीय समुदाय के लोग उस होटल के बाहर जमा हो गए हैं, जहां प्रधानमंत्री मोदी पहुंचने वाले हैं। भारतीय प्रवासी होटल में प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए ढोल भी बजाया।
- **स्वागत में कलाकारों ने किया हिंदी गानों पर नृत्य -** रूस के मॉस्को में रूसी कलाकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में हिंदी गानों पर नृत्य किया।

नीट यूजी विवाद पर सीजेआई बोले

'ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है'

● नीट पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दें

जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताएं; 11 को अगली सुनवाई

जस्टिस जे बी पारदीवाला | चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ | जस्टिस मनोज मिश्रा

नईदिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट -2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार, 8 जुलाई को लगभग 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए,सीबीआई केन्द्र सरकार और याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होनी है। सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है। सवाल ये है कि इसका दायरा कितना बड़ा है। ये समझना जरूरी है कि पेपर लीक कितना व्यापक है? सिर्फ दो लोगों की गड़बड़ी की वजह से पूरा एग्जाम कैंसिल नहीं किया जा सकता। हम ये जानना चाहते हैं कि NTA और सरकार ने अब तक पेपर लीक के आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

सीजेआई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, सरकार से पूछकर बताएं कि क्या हम साइबर फोरेंसिक विभाग के डेटा एनालिटिक्स यूनिट के जरिए पता नहीं लगा सकते है कि क्या पूरी परीक्षा प्रभावित हुई है? क्या गलत काम करने वालों की पहचान करना संभव है? इस तरह हम उन छात्रों के बारे में जानकारी जुटा सकते हैं, जिन्होंने गड़बड़ी कर फायदा उठाया है।

38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट

अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही थी। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने, जबकि 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- सरकार पीरियड लीव पर पॉलिसी बनाए

● कहा- हमने फैसला लिया तो कंपनियां महिलाओं को नौकरी देने से बचेंगीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पीरियड लीव की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि यह मामला अदालत में तय करने के लिए नहीं है, बल्कि सरकारी नीति से जुड़ा मामला है।

कोर्ट ने कहा कि हमारी तरफ से महिलाओं को पीरियड लीव देने का फैसला महिलाओं के लिए हानिकारक होगा क्योंकि कंपनियां महिलाओं को नौकरी देने से बचेंगीं।

इसके साथ ही सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा कोर्ट की बेंच ने केंद्र को निर्देश दिया कि वे राज्यों और इस मामले से जुड़े सभी लोगों की सलाह लेकर एक मॉडल पॉलिसी तैयार करें। यह याचिका वकील शैलेंद्र तिवारी ने लगाई है। उनकी तरफ से वकील राकेश खन्ना ने सुप्रीम कोर्ट में दलीलें पेश कीं।

कोर्ट ने कहा-

ऐसी लीव के चलते महिलाओं को काम से दूर किया जाएगा- कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि यह लीव औरतों को काम करने के लिए कैसे प्रोत्साहित करेगी। ऐसी लीव मंजूर होने से महिलाओं को काम से अलग कर दिया जाएगा। हम नहीं चाहते महिलाओं के साथ ऐसा हो। क्योंकि यह मामला अन्य राज्यों की नीतियों से संबंधित समस्याएं उठाता है, इसलिए कोर्ट के पास इस मामले में दखल देने की कोई वजह ही नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इजाजत दी कि वह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सेक्रेटरी और एडिशनल सॉलिसिटर ऐश्वर्य भाटी के पास जाएं। कोर्ट ने कहा कि हम महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सेक्रेटरी से निवेदन करते हैं कि वे नीतियों के स्तर पर इस मामले को देखें और इससे संबंधित सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा करने के बाद पॉलिसी बनाने के बारे में सोचें।

पुरी की रथयात्रा का दूसरा दिन

भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

● रात में रथों पर ही रहे भगवान; आज मंदिर में प्रवेश करेंगे

पुरी (ओडिशा) (एजेंसी)। 53 साल बाद पुरी की रथयात्रा दो दिनों की रही। सोमवार को यात्रा का दूसरा दिन था। भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंच चुके हैं। अब रथों पर ही भगवान की पूजा आरती होगी। इसके बाद राजभोग लगेगा। 9 जुलाई को भगवान मंदिर में प्रवेश करेंगे।

अगले 7 दिनों तक तीनों रथ यहीं रहेंगे। 11 जुलाई को हेरापंचमी मनेगी। मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी जी भगवान से मिलने आती हैं। 15 जुलाई, सोमवार को तीनों भगवान अपने रथों में बैठकर मंदिर को लौटेंगे। भगवान के मंदिर लौटने वाली यात्रा को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है।

बाढ़ आयी तो सुपौल के गांव होने लगे खाली, जहरीले सांप घर-आंगन में घूम रहे, मची तबाही

सुपौल, एजेंसी। सुपौल में बाढ़ ने दस्तक दे दी है. नेपाल के पहाड़ी क्षेत्र में मुसलाधार बारिश होने के कारण कोसी नदी के जल स्तर में काफी वृद्धि होने से पूर्वी कोसी तटबंध के अंदर दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी दो से तीन फीट तक लोगों के घर आंगन में फैल गया है. बताया जाता है कि पूर्वी कोसी तटबंध के अंदर ढोली, बनैनिया, बलथरवा, कटैया, भुलिया, वैसा, तकिया, उग्रीपटी, कवियाही, करहरी, मोरा, झहुरा, सनपतहा, छपकी सहित अन्य गांव में बाढ़ का पानी लोगों के घर आंगन में 2 से 3 फीट तक फैल जाने के कारण तटबंध के अंदर से लोग पलायन करने लगे है.

तटबंध के अंदर के लोगों में बाढ़ के भय को लेकर त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है. पूर्वी कोसी तटबंध के अंदर के ग्रामीणों का कहना है कि लोगों के घर आंगन में 2 से 3 फीट तक पानी फैलने के कारण अपना भोजन के साथ-साथ पशु चारा की भी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है. लोगों के आवागमन की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में नाव बहाल नहीं

होने के कारण लोगों को निजी नाव के सहारे पलायन करने की मजबूरी बनी हुई है.

ग्रामीणों का कहना है कि उनके घर-आंगन में जहरीले सांप का आगमन हो गया है. जिसके कारण लोग ऊंचे स्थान पर शरण लेने लगे है. इधर सीओ धीरज कुमार बताया कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पूर्वी कोसी तटबंध के अंदर विभिन्न घाटों पर फिलहाल 15 नाव की की गयी है. जरूरत पड़ने पर और नाव भी बहाली की जाएगी. सीओ ने बताया कि तटबंध के अंदर के लोगों को ऊंचे जगह पर जाने की सलाह दी गई है. बाढ़ से विस्थापित परिवारों को राहत सामग्री और पॉलीथिन शीट वितरण किया जाएगा. वहीं विभिन्न घाटों पर गोताखोर को प्रतिनियुक्त कर दिया गया है. तटबंध के अंदर फिलहाल कोई खतरा नहीं है.

पड़ोसी देश नेपाल में झमाझम बारिश से कोसी नदी रौद्र रूप अपना ली है. सुपौल के निर्मली अनुमंडल क्षेत्र में ेसी तटबंध के भीतर बसे कई गांव में
बाढ़ से तबाही शुरू हो गई है. लगभग 100 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है. लोगों के घर-आंगन व चूल्हे भी डूब गए. कोसी तटबंध के भीतर बसे बाढ़ प्रभावित गांव के लोग नाव के सहारे मवेशियों व अन्य जरूरी के सामान के साथ ऊंचे स्थान की ओर पलायन करते दिखे. निर्मली अंचल क्षेत्र के दिघिया, बेलासिंगारमोती, डगामरा व मरौना अंचल क्षेत्र के सिसौनी, घोघररिया,बड़हरा पंचायत के दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी फैलने से प्रभावित इलाके के लोग सहमे दिखे. प्रशासनिक स्तर से अबतक निर्मली अनुमंडल क्षेत्र में सुरक्षा के दृष्टिकोण से केवल नाव की व्यवस्था जगह-जगह की गयी है. कई घरों में चूल्हे तक नहीं जलने से बच्चे व बुजुर्गों को भी पारी परेशानी हुई.

कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण रविवार को वीरपुर में कोसी बराज के सभी 56 फाटकों को खोलना पड़ा. कोसी बराज स्थित कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम 04 बजे कोसी नदी का जलस्तर 03 लाख 93 हजार 715 क्यूसेक दर्ज किया गया, जिससे सभी फाटकों को खोलना आवश्यक हो गया. कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बराह क्षेत्र में जलस्तर 01 लाख 72 हजार क्यूसेक घटने के क्रम में है. यह संभावना जताई जा रही है कि नदी का जलस्तर अब और कम हो सकता है.

संक्षिप्त समाचार

बिहार में सड़क हादसा, बेगूसराय में बच्चे को ट्रक ने कुचला

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार में रफ्तार का कहर जारी है. तेज रफ्तार ट्रक ने बेगूसराय में एक मासूम बच्चे को कुचल दिया. इस हादसे में मासूम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. गुस्साय परिजनों ने ह॥-31 को घंटे तक जाम रखकर जमकर हंगामा किया. करीब 4 घंटे तक सड़क जाम के कारण ह॥-31 पर वाहनों का परिचालन बाधित हो गया. घटना नगर थाना क्षेत्र के ट्रैफिक चौक स्थित ह॥-31 के पास की है. मृतक बच्चे की पहचान लोहिया नगर थाना क्षेत्र के बाघा के निवासी करण कुमार के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि करण कुमार अपनी मां के साथ जा रहा था, तभी सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया. गुस्साए परिजनों ने सड़क पर शव को रख कर 4 घंटा तक एनएच 31 को जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. घटना की जानकारी मिलने के बाद मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों को मुआवजा दिलाने की बात कह हंगामे को शांत कराया. उन्होंने बताया है कि परिजनों को सरकारी मुआवजा दी जाएगी. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया है. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और उसके ड्राइवर को तलाश कर रही है.

बाइपास टोल प्लाजा को मिला एंबुलेंस

पटना, एजेंसी। एंबुलेंस की सेवा दोगच्छी से लेकर औद्योगिक थाने तक ही रहेगी -बाइपास के बाहर का लोकेशन नहीं ली जायेगी. -एंबुलेंस के लिए एनएचएआइ के टोल फ्री नंबर 1033 पर कॉल किया जा सकता है वरीय संवाददाता, भागलपुर बाइपास पर स्थित टोल प्लाजा को एनएचएआइ की ओर से बेसिक लाइफ सपोर्ट श्रेणी की एंबुलेंस उपलब्ध हो गयी है. बाईपास रोड पर अब दुर्घटना होने पर 5 से 10 मिनट के अंदर मेडिकल सहायता मिल सकेगी. यह टोल प्लाजा प्रबंधन का कहना है. एंबुलेंस सेवा दोगच्छी से लेकर औद्योगिक थाने तक ही रहेगी. इसके बाहर का लोकेशन नहीं ली जाएगी. एनएचएआइ ने बाइपास टोल प्लाजा को एंबुलेंस उपलब्ध करा दी है. इसमें दो इमरजेंसी मेडिकल टीम के सदस्य और दो चालक भी मिले हैं. सड़क पर किसी भी तरह का हादसा होने पर घायल को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया जा सकेगा. अभी तक बाइपास में एंबुलेंस के लिए लोगों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था, जिससे लोग घायल को किसी वाहन का इंतजाम कर अस्पताल पहुंचाते थे. एंबुलेंस के लिए एनएचएआइ के टोल फ्री नंबर 1033 पर कॉल किया जा सकता है. टोल प्लाजा के प्रबंधक बजरंग सिंह के अनुसार एंबुलेंस के लिए सेवा निर्धारित है. टोल फ्री नंबर सूचना देने पर लोकेशन बतानी होगी. अगर टोल रोड से हटकर किसी सड़क पर हादसा है तो जीपीएस में लोकेशन नहीं आयेगी.

आमने-सामने आरोपितों को बैठा कर उत्तर का किया गया क्रॉस वेरिफिकेशन

पटना, एजेंसी। नीट पेपर लीक संवाददाता, पटना नीट पेपर लीक मामले में सीबीआइ ने रिमांड पर लिए सभी पांच आरोपितों से लगातार पूछताछ कर रही है. पूछताछ के दौरान केंद्रीय एजेंसी को पेपर लीक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां मिल रही हैं. इनमें आरोपितों के कार्य, अभ्यर्थियों से संपर्क, पेपर लीक में अभ्यर्थियों के पैसे के लेन-देन व दूसरे राज्यों से संपर्क के विषय में भी पता चला है.सीबीआइ ने तीन आरोपितों को दिल्ली लेकर गयी है. सीबीआइ ने रिमांड पर लिये सभी आरोपितों को आमने-सामने बैठा करके पूछताछ कर रही है. इस दौरान एक आरोपित द्वारा दिये गये उत्तर का दूसरे आरोपित से क्रॉस वेरिफिकेशन कराया जा रहा है. इसमें पेपर लीक से जुड़े कई ऐसे जवाब मिले, जो एक- दूसरे आरोपियों से अलग थे.हालांकि, सही जानकारी प्राप्त करने के लिए फिर से पूछताछ की गयी. सीबीआइ द्वारा आरोपितों से पूछ गये सवाल समान्य रूप से एक ही तरह के थे .

बिहार के 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में मॉनसून की सक्रियता बनी हुई है. पटना सहित प्रदेश भर में सोमवार को गरज के साथ बारिश के आसार हैं. सोमवार को सभी जिलों में मेघ गर्जन के साथ बरसात की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग ने सुपौल, अररिया, किशनगंज, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण जिले में वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. बीते 24 घंटों के भीतर बिहार में 23.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. बिहार के 17 जिलों में शनिवार की सुबह से रविवार सुबह तक झमाझम बारिश हुई. बादलों की सक्रियता से राज्य भर में अब मॉनसून की बारिश में मात्र पांच प्रतिशत कमी रह गई है.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, चंपारण और आसपास के क्षेत्रों के अलावा नेपाल की तराई वाले इलाकों से सटे जिलों में सोमवार को भी भारी बारिश के आसार हैं. राज्य से शेष जिलों में छिटपुट गतिविधि बनी रहेगी. वहीं, एक दिन बाद मंगलवार को दरभंगा, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी और किशनगंज में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है. बांका के शंभुगंज में सर्वाधिक वर्षा 191.6 मिमी दर्ज की गई. वहीं रविवार को राजधानी पटना में 0.6 मिलीमीटर बारिश हुई. इस

बीच बादलों से सूरज की लुकाछिपी दिन भर बनी रही. पटना सहित 17 जिलों के अधिकतम तापमान में रविवार को आंशिक बढ़ोतरी हुई है. पटना का अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मुजफ्फरपुर में मॉनसून की सक्रियता 48 घंटे बाद कम हो गयी है. बीते दो दिनों से रूक-रूक कर हो रही बारिश से मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया. रविवार को भी सुबह से शाम तक आसमान में घने बादल के साथ शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में बूंदा-बांदी तो कहीं हल्की बारिश हुई. मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में 3.6 एमएम वर्षा रिकॉर्ड हुई. ऐसे में गर्मी से भी लोगों को काफी हद तक राहत मिली. मौसम विभाग के रिकॉर्ड के तहत अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम रहा. वहीं न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले तीन-चार दिनों तक अब मॉनसून का प्रभाव कम रहेगा. आसमान में बादल छाये रहेंगे, उत्तर बिहार के कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना जतायी गयी है.

चंपापुल पर सजावटी लाइट्स लगाने की तैयारी, अंधेरे में डूबी गलियों के लिए दे रहा नियमों का हवाला

भागलपुर, एजेंसी। नगर निगम का भी जवाब नहीं. एक तरफ नियम का हवाला देकर वार्डों में नया लाइट लगाने का परमिशन नहीं दे रहा है. वहीं, दूसरी ओर चंपा पुल पर सजावटी लाइट लगाने की तैयारी में है. यहां सजावटी लाइट्स लगाने के पीछे उनका तर्क कि चंपा पुल शहर का प्रवेश द्वार है. शहर की छवि निखरेगी. जबकि, इससे ज्यादा जरूरी वार्डों में नये लाइट्स लगाने की है. इसके बिना 80 मेगावाट बिजली मिल कर भी शहर की गलियां अंधेरे में डूबी हैं. शाम के बाद महिलाएं व बच्चे पड़ोस की दुकान जाने से हिचकते हैं. क्योंकि, वार्डों और इसके मुहल्ले के विस्तारीकरण से कई नये पोल लगे हैं, लेकिन उसमें लाइट्स नहीं लगी है. स्ट्रीट लाइट्स के जिम्मेदारी नगर सरकार की है.

उठ रहे सवाल - नयी लाइट्स लगाने पर रोक लगी है तो चंपा पुल पर कैसे लगेगा चंपा पुल पर सजावटी लाइट्स (तिरंगा लाइट्स) लगाने की चल रही तैयारी पर सवाल उठने लगा है. लोगों का कहना है कि नयी लाइट्स के अधिष्ठापन और क्रय पर रोक लगी है, तो चंपा पुल के लिए लाइट्स का क्रय और इस्टॉलेशन कैसे हो सकता है. यह सवाल पार्षदों ने भी बोर्ड की बैठक में उठायी थी. जिसका सटीक जवाब नहीं मिला था. सिर्फ सरकार से मार्गदर्शन के लिए पत्र लिखने की बात कही गयी थी. लोगों का अब कहना है कि अगर चंपा पुल पर लाइट्स लगाने को लेकर नियम-शर्त नहीं देखी जा रही है, तो जरूरत वाले स्थलों पर भी नियमों को दरकिनार किया जाये. चंपा पुल पर सजावटी लाइट्स लगाने के लिए आरसीडी से एनओसी लेने की तैयारी नगर निगम चंपा पुल पर तिरंगा लाइट्स लगाने के लिए आरसीडी से एनओसी लेने की तैयारी कर रही है. संचिका तैयार है. सिर्फ एनओसी के लिए पत्र भेजना बाकी है. एनओसी मिलते ही क्रय और अधिष्ठापन के लिए आमंत्रण सूचना जारी करेगी. इसके बाद चंपा पुल पर तिरंगा लाइट्स लगना शुरू हो जायेगा.

सिटी में 8476 ऐसे नये बिजली पोल है, जहां स्ट्रीट लाइट्स लगाने की आवश्यकता है.

बिहार में इंस्टाग्राम वाला प्रेमी निकला मानसिक रोगी, घर से भागकर पहुंची प्रेमिका के पांव के नीचे से खिसकी जमीन

पटना, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर प्यार के चक्कर में फंसकर पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती मुजफ्फरपुर पहुंच गयी. जंक्शन के पास अपने प्रेमी से मुलाकात की. इसके बाद वह प्रेमी के साथ उसके किराये के कमरे पर पहुंच गयी. इसकी सूचना लड़के के दोस्त ने उसके परिजनों को दी.

करीब एक घंटे के अंदर में हथौड़ी थाना क्षेत्र स्थित लड़के के पैतृक गांव से उसकी मां, भाई व परिवार के अन्य सदस्य पहुंचे. वहां, लड़की को बताया गया कि लड़का मानसिक रूप से बीमार है. उसका पिछले कई माह से पटना के ही एक दिमाग के डॉक्टर से इलाज चल रहा है, इतना सुनते ही युवती के पांव के नीचे से जमीन खिसक गयी.

इधर, युवती के गायब होने के बाद उसके परिजनों ने कोतवाली थाने में उसकी गुमशुदगी को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी थी. लड़की के मुजफ्फरपुर में होने की सूचना मिलने के बाद कोतवाली थाने की पुलिस रविवार को शहर पहुंची. आरडीएस कॉलेज के समीप एक मोहल्ले से लड़की को बरामद कर लिया. उसके कथित प्रेमी को पकड़ कर काजीमोहम्मदपुर

थाने पर लाया गया.

वहां, लड़की से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि इंस्टाग्राम पर तीन माह पहले उसकी दोस्ती हुई थी. इसके बाद दोनों बातचीत करने लगे. शनिवार को वह जबरन उसका सामान पैक करके मुजफ्फरपुर बुला लिया. उसका कहना था यहां आ जाओं दोनों शादी कर लेंगे. मुजफ्फरपुर आने के बाद उसके परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार है. अब वह उससे शादी नहीं करना चाहती है. उसको क्यों झूठ बोलकर मुजफ्फरपुर बुलाया. इसका उसको सजा मिलनी चाहिए. वहीं, लड़के के परिजन उसके मानसिक रूप से बीमार होने का सबूत डॉक्टर का पुर्जा व दवा लेकर थाने पर आये थे.

पुल के बाद अब बिहार में गिरी स्कूल की छत, बाल-बाल बचे बच्चे

मुंगेर, एजेंसी। बिहार में पुल गिरने और धंसने के साथ ही अब स्कूल की छत भी गिरने लगी है. मुंगेर के सदर प्रखंड की तारापुर दियारा पंचायत स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय महेशपुर के पुराने जर्जर भवन की छत का हिस्सा टूटकर गिर गया. इस घटना में विद्यालय में मौजूद शिक्षक व बच्चे बाल-बाल बच गए. विद्यालय के प्रधानाध्यापक उत्तम कुमार ने बताया कि विद्यालय भवन की छत जर्जर हो चुकी है. इस कारण कुछ वर्ष पहले ही केवल दो कमरे में शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा था. इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी दी गई थी.

उन्होंने बताया कि इस दिशा में विभागीय स्तर पर विद्यालय भवन के जीर्णोद्धार अथवा नए भवन निर्माण की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया. ऐसे में पिछले तीन-चार दिनों से हो रही लगातार वर्षा के कारण भवन की जर्जर छत का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया. इस घटना में शिक्षक तथा विद्यार्थी बाल-बाल बच गए. हमलोग डर के साए में विद्यालय का संचालन करते हैं. उन्होंने कहा कि विद्यालय में बारहवीं तक की पढ़ाई होती है. इसके बावजूद दो कमरे में ही सभी कक्षाओं का संचालन करना पड़ता

है. इस संबंध में डीपीओ सर्व शिक्षा अभियान विनय कुमार सुमन ने बताया कि विद्यालय की छत गिरने की सूचना प्रधानाध्यापक ने लिखित रूप से दी है. कल संबंधित कनीय अभियंता विद्यालय की भौतिक जांच करेंगे. इसके बाद इस दिशा में कार्रवाई की जाएगी.

ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय भवन के जर्जर होने की सूचना डीएम को दी गई थी, इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किया जा सका है. ऐसे में विद्यालय के विद्यार्थी जर्जर भवन के नीचे भय के साए में पढ़ाई करने को मजबूर हैं. इस संबंध में डीपीओ सर्व शिक्षा अभियान विनय कुमार सुमन ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार जिले के सभी विद्यालय भवनों का सर्वे कराया जा रहा है. लगभग 90 प्रतिशत सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है. चालू वित्तीय वर्ष में इस मद में आवंटन प्राप्त नहीं हुआ है. पूर्व में जिन विद्यालयों में अतिरिक्त वर्ग कक्ष का निर्माण कराया जाना है, इसके लिए राशि प्राप्त हुई है.

पटना एयरपोर्ट से 24 साल बाद शुरू होगी अंतरराष्ट्रीय उड़ान

पटना, एजेंसी। अनुपम कुमार, पटना. पटना एयरपोर्ट पर नये एयरपोर्ट टर्मिनल के बन जाने से नेपाल के लिए यहां से सीधी फ्लाइट सेवा जल्द शुरू हो सकती है. इसके साथ ही जापान, वियतनाम, म्यानमार और थाइलैंड जैसे देशों के लिए भी यहां से सीधी विमान सेवा के शुरू होने के आसार हैं. क्योंकि, वहां से बड़ी संख्या में बौद्ध पर्यटक बोधगया आते हैं. गौरतलब है कि 24 दिसंबर 1999 को इंडियन एयरलाइंस के दिल्ली काठमांडू विमान को अपहरण कर कंधार ले जाने के बाद से नेपाल की अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा बंद है. और बीते 24.5 वर्षों से पटना एयरपोर्ट केवल नाम का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना हुआ है.

पटना एयरपोर्ट पर बन रहे नये टर्मिनल भवन में इमीग्रेशन और कस्टम काउंटर के लिए भी जगह होगी. नये टर्मिनल भवन में दोनों मंजिलों पर इनके काउंटर और अधिकारियों व कर्मियों के बैठने के लिए कमरे बनाये गये हैं. इससे पटना एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू होने पर यात्रियों की जांच करने में सुविधा होगी. पटना एयरपोर्ट पर छह नयी पार्किंग बे और पांच एयरोब्रिज बनाया जाना है. इनके बनने के बाद से पटना एयरपोर्ट के फ्लाइट ऑपरेशन की क्षमता बहुत अधिक बढ़ जायेगी और एक दिन में यहां 50 जोड़ी फ्लाइट की जगह 150 जोड़ी फ्लाइट ऑपरेशन किया जा सकेगा.

नये टर्मिनल भवन का आकार भी पहले की तुलना में अत्यंत विशाल है जो वर्तमान टर्मिनल भवन से सात गुना बड़ा है. यह 65 हजार वर्गफुट में फैला है और इसकी 80 लाख क्षमता होगी जबकि वर्तमान में विस्तारित पुराने टर्मिनल भवन की क्षमता केवल 25 लाख यात्री सालाना है. ऊपरी फ्लोर तक जाने के लिए रैंप बनाये गये हैं जिससे वाहन सीधे ऊपरी तल्ले के पिकड्रॉप एरिया में जाने वाले यात्रियों को छोड़ेंगे. साथ ही नये टर्मिनल भवन के सौंदर्यीकरण पर भी जोर दिया गया है जिससे यह पूर्वोत्तर भारत के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट की तरह दिखेगा.

यात्रियों के वाहनों की पार्किंग के लिए एक सात मंजिला भवन एयरपोर्ट के इंट्री गेट के पास ही बनायी गयी है जिसमें प्रथम पांच तल्ला पर पार्किंग होगी. इसमें 750 चारपहिया वहान खड़े हो सकेंगे. पार्किंग से एयरपोर्ट टर्मिनल तक जाने के लिए ट्रैवलेटर भी लगाये जा रहे हैं जिसपर खड़े होकर यात्री वहां तक की दो-तीन सौ मीटर दूरी तय कर सकेंगे. पार्किंग एरिया तक जाने और वापस आने के लिए चार लिफ्ट भी लगाये जा रहे हैं.

जलजमाव की जानकारी और सुझाव लेने को हेल्पलाइन नंबर जारी करे नगर निकाय : मंत्री

पटना, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने सभी नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारियों को संभावित जलजमाव से संबंधित जानकारी व सुझाव लेने को लेकर हेल्पलाइन नंबर जारी करने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि निकायों में जोनवार बांट कर 24 घंटे नियंत्रण कक्ष कार्यरत रखे जाएं तथा मिलने वाली शिकायतों का क्रिक रिस्पांस टीम के माध्यम से त्वरित निष्पादन कराया जाये. वे रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मॉनसून 2024 की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे. इस बैठक में विभागीय प्रधान सचिव, संयुक्त सचिव के साथ ही सभी नगर परिषदों के कार्यपालक पदाधिकारी मौजूद रहे. नगर विकास मंत्री ने कहा कि हेल्पलाइन नंबरों का विज्ञापन एवं चौक-चौराहों पर पोस्टर आदि के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित किया जाये. साथ ही 10 से 20 जुलाई के बीच मॉनसून की तैयारियों को लेकर होने वाली बैठकों में मुख्य पार्षद एवं वार्ड पार्षदों के साथ ही स्थानीय सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये. नगर परिषद के पदाधिकारी प्रतिदिन एक से दो घंटे नियमित रूप से स्थल निरीक्षण करें. कार्यपालक पदाधिकारियों को खास कर सार्वजनिक स्थलों के आस पास जलजमाव पर नजर रखने के निर्देश दिये गये.

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

सदर अस्पताल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- कैंसर, मूत्र रोग, ह्रदय रोग, फिजिशियन के काउंटर पर हुई 110 मरीजों की जाँच
- 2.5 लाख या उससे कम सालाना आय के भर्ती मरीजों का होगा निःशुल्क इलाज

पटना के जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से लगा शिविर

बीएनएम। मोतिहारी

पटना के जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल एवं जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से मोतिहारी के सदर अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। इस स्वास्थ्य शिविर में 110 से अधिक लोगों के हृदय रोग, किडनी और कैंसर रोग की स्क्रीनिंग की गई। इस अवसर पर चिकित्सकों द्वारा इन बीमारियों से बचाव की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य शिविर में जिले के सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान, डीएस डॉ अवधेश कुमार ने कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ अमित कुमार, यूरोलॉजिस्ट डॉ तंजीउल रहमान, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ मीतू कुमारी, फिजिशियन डॉ एन के ठाकुर से स्वास्थ्य से जुड़े कई पहलुओं की जानकारी ली। सीएस डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि अस्पताल में 5 काउंटर लगाए गए थे जिसमें कई लोगों का बीपी, शुगर, ऑक्सीजन लेवल, इको, ईसीजी आदि की जाँच निःशुल्क हुई। डॉ अमित कुमार ने बताया कि ओरल कैंसर के दो मरीज संदिग्ध पाए गए जिन्हें बेहतर उपचार हेतु पटना रेफर किया गया।

2.5 लाख या उससे कम सालाना आय के भर्ती मरीजों का होगा निःशुल्क इलाज- डॉ अमित कुमार ने बताया कि वैसे मरीज जिनका सालाना इनकम 2.5 लाख या उससे कम है, जयप्रभा मेदांता अस्पताल पटना में उनका निशुल्क इलाज होगा। ऐसे मरीज को केवल राज्य के किसी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा चिन्हित 8 सदर अस्पताल सिवान, गोपालगंज, छपरा, मधुबनी, शेखपुरा, लखीसराय, जमुई एवं बक्सर द्वारा रेफर होना जरूरी होगा। ऐसे मरीजों के मुफ्त इलाज की सुविधा हृदय रोग, मूत्र एवं किडनी रोग, कैंसर एवं नस रोग में मिलेगी। मरीज के रहने, खाने, सर्जरी एवं दवा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर डॉ अमित कुमार, डॉ तंजीउल रहमान, डॉ मीतू कुमारी, डॉ एन के ठाकुर, अश्विनी झा, अमिकेश कुमार, चाँदसी कुमार, पूनम कुमारी, स्वीटी कुमारी व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

फाइनेंस कंपनी से लुट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में मधुबन थाना क्षेत्र में 2021 में भारत फाइनेंस कंपनी से 11 लाख रुपए के लूट के जिले के टॉप 20 में शामिल वांछित अभियुक्त राजा सिंह उर्फ बाबू साहेब को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन परिसर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया की अभियुक्त पर मोतिहारी जिले सहित मुजफ्फरपुर जिले में अनगिनत केस दर्ज है। इस छापेमारी में मधुबन थाना के दरोगा शैलेश कुमार सहित पुलिस बल शामिल रहे।

अनुमंडल पदाधिकारी निशा ग्रेवाल ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना (ढाका) निशा ग्रेवाल के द्वारा सोमवार को ढाका प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कर्मियों के उपस्थिति की जांच की गई। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा कार्यालय को स्वच्छ रखने एवं प्राप्त आवेदनों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश सभी कर्मियों को दिया गया। इस दौरान आधार, जन्म मृत्यु पंजीकरण एवं आरटीपीएस काउंटरों का निरीक्षण किया गया एवं वहां उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी को जरूरी निर्देश दिया गया। यहां से निकलने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी चिरैया प्रखंड स्थित मीरपुर पोखर पार्क गईं जहां वन महोत्सव के अवसर पर जल जीवन हरियाली कार्यक्रम अंतर्गत 50 हजार वृक्षारोपण के लक्ष्य का शुभारंभ करते हुए आम का वृक्ष लगाईं। इस अवसर पर कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा श्री ज्योति कुमार सिंह प्रखंड स्तरीय मनरेगा टीम के साथ उपस्थित रहे।

पुल गिरने की हो रही है जांच, दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : पीएचईडी मंत्री

बीएनएम। भागलपुर। भागलपुर पहुंचे बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने सोमवार को कि विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले की शुरुआत होने वाली है। जिसको लेकर तैयारियां का जायजा लेने पहुंचा हूं। अभी मैं सुल्तानगंज भी निरीक्षण के लिए जाऊंगा। इस बार मेले में पीएचइडी की सभी सुविधाएं दो महीने तक उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं की जितनी भीड़ सावन में होती है उतनी ही भादो के महीने में भी होती है। इस वजह से यह निर्णय मैंने लिया है। गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसके लिए हम लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं। वहीं बिहार में पुल-पुलिया के गिरने के सवाल पर पीएचईडी मंत्री ने कहा कि पूल है, बनते समय गिरे हैं। गिरते रहते हैं। मंत्री ने कहा कि जो लोग आरोप लगा रहे है कि पूल गिर रहे हैं किसी भी सरकार में जाइये पिछले सरकार जब इंडिया गठबंधन की सरकार थी। तेजस्वी यादव के पास यह डिपार्टमेंट था। यहीं भागलपुर का पूल था जो गिरा था। उसकी पहले जाँच हुई थी। तेजस्वी यादव ने उसे क्लीन चिट दे दिया था की यह पूल बेहतर तरीके से बन रहा है। उसके बावजूद यह गिरा था। इसकी जवाबदेही कौन लेगा। आरोप लगाने से पहले अपने गिरेबान में उन्हें झांकना चाहिए। सरकार हमारी जाँच कर रही है। यह सुशासन की सरकार है। कोई भी दोषी बचेगा नहीं। चाहे वो ठेकेदार हो या अधिकारी हो। पूल की भी मेंटनेंस पॉलिसी बननें वाली है। आगे जो भी पूल बनेंगे काफी मजबूत होंगे अच्छे होंगे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मोतिहारी एसपी को दी रक्सौल रेल पुलिस की जांच की जिम्मेदारी

- आठ माह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एसपी को दी जाँच की जिम्मेदारी
- पीड़ित परिवार ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के. झा के माध्यम से आयोग में दायर की थी याचिका

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के रक्सौल रेलवे स्टेशन पर सवारी गाड़ी के शौचालय में मिली लाश के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एसपी मोतिहारी को जाँच की जिम्मेदारी दी है,तथा आठ सप्ताह में मामले में कार्रवाई करते हुए याचिकाकर्ता को, की गई कार्रवाई की सूचना देने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है,कि पूर्वी चम्पारण जिले के पिपरा थाना अंतर्गत चकबारा बखरी निवासी पूनम कुमारी ने मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता पूनम कुमारी ने बताया कि नवंबर 2023 में मेरे पिताजी की हत्या कर दी गई, लेकिन रेल थाना रक्सौल के द्वारा हमें काफी परेशान किया जा रहा है और एफ.आई.आर. दर्ज नहीं किया जा रहा है। हत्या के 8 माह बाद भी रेल थाना, रक्सौल के द्वारा मेरे आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। इसकी जानकारी मेरे द्वारा वरीय अधिकारियों को भी दी जा चुकी है, लेकिन अबतक रेल थाना रक्सौल के थानाध्यक्ष द्वारा मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। विदित हो कि पूनम के पिता स्वर्गीय मदन कुमार प्रसाद गत वर्ष 25 नवंबर को पूनम को मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन छोड़कर उसी दिन शाम 6 बजे की ट्रेन से घर के लिए रवाना हुए लेकिन घर नहीं पहुँचे। 26 नवंबर को रात्रि करीब 9 बजे घर वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली कि मदन कुमार प्रसाद का शव रक्सौल रेल पुलिस के कब्जे में है। परिजनों की माने तो रक्सौल रेल पुलिस द्वारा परिजनों से सादे कागजो पर हस्ताक्षर कराया गया, साथ-ही-साथ पोस्टमार्टम के नाम पर पैसे की उगाही भी की गई। मदन कुमार प्रसाद के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर 'ब्लन्ट ऑब्जेक्ट' से प्रहार के कारण मौत होना बताया गया है। वही मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस. के. झा ने बताया कि इस पूरे मामले को रक्सौल रेल पुलिस दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि इस मामले में अविलम्ब प्राथमिकी दर्ज करते हुए जाँच होनी चाहिए थी, लेकिन रक्सौल पुलिस के द्वारा प्राथमिकी दर्ज नहीं किया जाना संदेह को उत्पन्न करता है। उन्होंने अविलम्ब प्राथमिकी दर्ज करते हुए जाँच की माँग की है।

National Human Rights Commission (NHRC)
सर्वे भवन्तु सुखिनः

देशी शराब बरामदगी मामले में एक को पांच वर्ष की सजा

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

उत्पाद न्यायालय द्वितीय के विशेष न्यायाधीश मुकुंद कुमार ने देशी शराब बरामदगी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को पांच वर्षों की सजा और एक लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए। अर्थ दंड नहीं देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा हरसिद्धि थाना के कोबेया निवासी स्व. छबीला राय के पुत्र राजू यादव को हुई। मामले में उत्पाद वाद संख्या 705/2018 दर्ज हुआ था। उत्पाद विभाग के पुलिस ने 6 दिसंबर 2018 की संध्या 4 बजे गुप्त सूचना के आलोक में हरसिद्धि मुसहरी टोला गांव में नामजद अभियुक्त के घर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दस लीटर क्षमता वाले एक प्लास्टिक के गैलन में रखे दस लीटर चुलाई शराब बरामद हुआ। उत्पाद विचारण वाद संख्या 4469/2022 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक कामख्या नारायण सिंह ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 30(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

नदी के बढ़ते हुए जल स्तर का किया निरीक्षण निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा डुमरिया, मंगलापुर-दक्षिणी बरियरिया एवं पुछरिया - पूर्वी संग्रामपुर के पास नदी के बढ़ते हुए जल स्तर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बाढ़ से संबंधित सभी तैयारियों का जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं किए गए कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जो, निम्न है :- नाव का परिचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के लोगों का मुख्य मार्ग से सम्पर्क बना रहे। चम्पारण तटबंध पर प्रतिनियुक्त सभी कर्मियों को संबंधित स्थल पर सतत् बने रहने एवं पूरी चौकसी के साथ निगरानी करने का निदेश दिया गया । सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने मुख्यालय में स्थायी रूप से बने रहने एवं समय-समय पर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय लोगों से मिलते रहने का निदेश दिया गया। भ्रमण के दौरान अनुमण्डल पदाधिकारी अरेराज, अंचलाधिकारी संग्रामपुर,प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संग्रामपुर, प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी संग्रामपुर एवं पंचायत स्तरीय अन्य कर्मी तथा पंचायतों के जनप्रतिनधि मौजूद रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

गंडक नदी में हो रही जलस्तर वृद्धि ने लोगों की चिंता बढाई

- राहत व बचाव कार्य को लेकर तैयार है प्रशासनिक महकमा
- कढान, मझरिया सहित अन्य गाँव है बाढ़ प्रभावित क्षेत्र

पाँच विद्यालयों में घुसा बाढ़ का पानी , बाढ़ की पानी में डूबने से एक युवती की मौत

को नजदीकी विद्यालय में शिफ्ट किया गया। साथ हीं प्रभावित विद्यालय में रखे एमडीएम के खाद्यान सहित अन्य समान को नजदीकी विद्यालय में रखने को निदेशित किया गया है।

बीएनएम। केसरिया

गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। जिसके कारण तटवर्ती गाँवों में बाढ़ आने की संभावना जतायी जा रही है। हालांकि नदी तट पर अभी कटाव नहीं हो रहा है। लेकिन जिस तरह जलस्तर वृद्धि हो रही है उससे आशंका है कि एक से दो दिनों में कटाव होना शुरू हो सकता है। इधर, सोमवार को क्षेत्र के पाँच विद्यालयों में बाढ़ का पानी घुस गया। कढान पंचायत के वार्ड आठ, नौ व 10 में बाढ़ की सबसे अधिक संभावना रहती है। प्रति वर्ष यही वार्ड सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित होता है। वार्ड 10 निवासी मनोज यादव के घर के समीप तक नदी का पानी पहुँच चुका है। जहाँ सोमवार को उनकी पुत्री नीतू कुमारी की इसमें डूबने से मौत हो गई। अगर एहतियात नहीं बरती गई तो किसी दूसरी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जल संसाधन विभाग के एसडीओ ब्रजेश सिंह, ईई रंजन प्रकाश, जेई राकेश रंजन व अन्य स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। विभाग द्वारा करीब 10 हजार एसी बैग की व्यवस्था की गई है। जिससे कटाव को रोका जा सकता है। विभाग द्वारा इस जगह इसी वर्ष मई माह में जियो बैग से कटावरोधी कार्य किया गया था। जिससे थोड़ी राहत मिली है। वहीं मझरिया, ढेकहाँ सहित अन्य गाँवों में भी तेजी से बाढ़ का पानी बढ़ रहा है। अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को एलर्ट मोड में रखा गया है। बाढ़ की स्थिति में राहत व बचाव कार्य के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। नदी तटवर्ती बसे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

पाँच विद्यालयों में घुसा बाढ़ का पानी- कढान पंचायत के नवीन प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर आठ अनुसूचित जाति टोला, नवीन प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर दस अहीर टोली, ढेकहाँ पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुजवनिया, राजकीय मध्य विद्यालय ढेकहाँ व राजकीय मध्य विद्यालय मझरिया के परिसर में बाढ़ का पानी घुस गया है। बीईओ विनय कुमार तिवारी ने बताया कि इन विद्यालयों

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक पुत्र ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीता

बीएनएम। केसरिया। प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रामकमल ठाकुर के टोला में पदस्थापित शिक्षक मो नसीम हाशमी के पुत्र मो अदनान हाशमी ने सातवां सवात फ्रेंच बॉक्सिंग नेशनल फेडरेशन कप 2024 में गोल्ड मेडल आपने नाम किया है। उसे यह सफलता हिमाचल प्रदेश के मंडी में आयोजित इस प्रतियोगिता के अंडर-11 वर्ग में मिली है। वह साहेबगंज स्थित एक निजी विद्यालय के वर्ग चार का छात्र है। उसकी इस उपलब्धि पर बीईओ विनय कुमार तिवारी, बीपीएम अनिल कुमार, जितेंद्र सिंह, औरंगजेब खान, अरशद खान, मोगल खान, शैलेन्द्र सिंह, गुड्डु खान सहित अन्य ने हर्ष व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज का किया हवाई सर्वेक्षण

बीएनएम। पटना। बिहार के नदियों में बढ रहे जलस्तर को देखते हुए राज्य सरकार अलर्ट है। इसी क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की नदियों का हवाई सर्वेक्षण किया। सुबह 11 बजे सीएम नीतीश पटना एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर के जरिए हवाई सर्वेक्षण के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री के साथ विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने मौजूद विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उत्तर बिहार और नेपाल के तराई इलाकों में हो रही लगातार बारिश के कारण बिहार की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नीचले इलाकों में नदियों का पानी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में एक बार फिर से बिहार में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और गोपालगंज में नदियों के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इसके साथ उन्होंने भारत नेपाल सीमा पर स्थित गंडक बराज का भी निरीक्षण किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गंडक समेत अन्य नदियों के जलस्तर को देखा। मुख्यमंत्री बाल्मिकीनगर में गंडक बराजए बगहा के कैलाश नगरए शास्त्री नगर समेत अन्य इलाको में कटाव और उसको लेकर चलाए जा रहे कटाव निरोधी कार्यों का भी जायजा लिया है और जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं

आम व्यवसायी हत्याकांड में शामिल तीन अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम। भागलपुर। भागलपुर के सिटी एसपी श्रीराज ने सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि बीते 5 जुलाई को सबौर थाना अंतर्गत मसाढ़ के समीप आम व्यवसायी हत्या मामले में पुलिस ने तीन अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सिटी एसपी ने बताया कि आम व्यवसायी कहलगांव एनटीपीसी से पिकअप गाड़ी पर आम लोड कर समस्तीपुर जा रहे वाहन चालक एवं वाहन मालिक को तीन-चार अपराधियों के द्वारा लूटपाट करने के दौरान चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद वाहन चालक और वाहन मालिक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां डॉक्टरों के द्वारा वाहन मालिक को मृत घोषित कर दिया गया था। इस घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के निर्देश पर गठित टीम के द्वारा इस मामले का उद्भेदन करते हुए 48 घंटे के अंदर 3 अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मौके से घटना में प्रयुक्त चाकू समेत तीन मोबाइल को भी बरामद किया है। इस घटना उद्भेदन में शामिल पुलिस कर्मी को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

गंडक बराज द्वारा भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ का खतरा बढ़ा

- इस साल भी बाढ़ पूर्व तैयारियों का प्रशासनिक दावा साबित हुआ खोखला
- पूर्व में ध्वस्त हो चुके बांधों की नहीं हो सकी मरम्मत

बीएनएम। सुगौली

नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्रों में भारी बरसात होने के कारण तथा जिले में लगातार भारी एवं मध्यम वर्षा होने के कारण एक बार फिर प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली बूढ़ी गंडक का पानी उफान पर है।उधर बगहा गंडक बराज द्वारा लाखों क्यूसेक लीटर पानी छोड़े जाने के कारण प्रखंड क्षेत्र के निचले इलाकों में नदी का पानी भरने का अंदेशा बढ़ गया है। संभावित बाढ़ की विभीषिका से नदी के किनारे व आसपास बसे गांवों के ग्रामीणों में दहशत की स्थिति व्याप्त है और एक बार फिर से बाढ़ ग्रस्त इन क्षेत्रों में लोग अपने जान माल के साथ पलायन कर सुरक्षित जगहों शरण लेने की तैयारियां करने लगे हैं। सुकुल पाकड़ पंचायत के लालपरसा के धूमनीटोला स्थित जर्जर रिंग बांध पर बाढ़ के पानी का भारी दबाव बना हुआ है। वहीं उसी पंचायत के कचहरिया टोला,उत्तरी छपरा बहास पंचायत के कैथवलिया, भवानीपुर गांव जो की सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोग पलायन की तैयारियां करने लगे हैं। यहां बताते चलें कि पूर्व में भी बाढ़ आने की स्थिति में यहां से लोग भारी मात्रा में नये आशियाने के लिए पलायन कर जाते हैं। वहीं भवानीपुर के पास नदी के बांध के आसपास बसे गांव के कई घरों को नदी काट कर बहा ले जाती है। प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर पंचायत, उत्तरी मंसिहा, पंजीअरवा के भी कई गांव बाढ़ से प्रभावित होते रहे हैं। बाढ़ की विभीषिका अधिक होने पर इन पंचायतों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से कट जाता है और बाढ़ का पानी उतरने तक यहां के लोग को सरकारी सहायता के मोहताज बने रहना मजबूरी बन जाती है। वहीं बाढ़ की चपेट में नगर पंचायत के वार्ड एक बिशुनपुरवा, वार्ड दो बेलइठ, वार्ड तीन के पाण्डेय टोला, नौवाडीह,कुरुमटोला गांव तथा वार्ड चार बहुरुपिया सड़क के साथ साथ स्थानीय थाने सहित वार्ड सात, ग्यारह,बारह तथा तेरह और रेलवे स्टेशन परिसर में भी बाढ़ का पानी घुस जाता है। स्थानीय थाने में बाढ़ का पानी आने के बाद पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को भी थाने से अपने सामानों व संचिकाओं के साथ होटलों या शहर के लोगों के घरों में शरण लेना पड़ता है। हालांकि संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्थानीय अंचल प्रशासन बाढ़ से बचाव व राहत कार्यों के बावत माइक के द्वारा लोगों को जागरूक कर रहा है। लेकिन स्थिति " का बरसा जब कृषि सुखानी"वाली हो गई है। वर्षों से बुड़ी गंडक के क्षतिग्रस्त बांधों का मरम्मत नहीं होना स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन की संवेदनशीलता के गिरते मानक को ही दिखाता है। बहरहाल नदी का पानी स्थिर है लेकिन गंडक बराज द्वारा छोड़े गये पानी की खबर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के रात की नींद व दिन का चैन उड़ा दिया है। वहीं स्थानीय अंचलाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह से बाढ़ को लेकर चौकस है। संभावित बाढ़ के ख़तरे को देखते हुए बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में लोगों के राहत व बचाव के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी द्वारा सदन में दिए गए बयान को लेकर भाजयुमो ने किया पुतला दहन

बीएनएम। सहरसा

राहुल गांधी द्वारा सदन में दिए गए बयान को लेकर भाजयुमो ने किया पुतला दहन भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा राहुल गांधी के सदन में दिए गए बयान को लेकर सोमवार को वीर कुंवर सिंह चौक पर पुतला दहन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा ने किया।इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री राजीव रंजन ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस प्रकार से हिंदू समाज को जान बूझकर नीचा दिखाते हुए हिंसक तथा झूठा बतलाया है। उससे यह साबित होता है कि राहुल गांधी सनातन धर्म विरोधी और देश विरोधी लोगों के हाथों की कठपुतली हैं। वहीं युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुशवाहा ने कहा कि राहुल गांधी वह मंद बुद्धि बालक है जो सनातन धर्म के खिलाफ और देश विरोधी लोगों के हाथों की कठपुतली है। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने हमेशा सनातन धर्म को नीचा दिखाने के लिए झूठ का सहारा लिया है। राहुल गांधी का मतलब संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी, देश विरोधी, सनातन धर्म विरोधी और लोकतंत्र विरोधी है। राहुल गांधी संविधान को लेकर सदन में चीखते चिल्लाते हैं।जबकि इस संविधान की धज्जियां उनके ही पार्टी के द्वारा 1975 में आपातकाल थोप कर पूरे देश के लोकतंत्र को कुचलने का काम किया। उनके ही पार्टी के द्वारा एक महिला स्त्री शाहबानो को न्याय नहीं दिया गया बल्कि वहां भी लोकतंत्र को कुचल करके उसके साथ अन्याय किया गया। 1986 के सिख दंगों में भी उनके पार्टी के लोगों के द्वारा ही दिल्ली में 6 हजार से भी अधिक सिखों को मार कर लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मोर्चा महामंत्री राणा करनजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष सूचित कुमार, रतन दुबे, जिला मंत्री राकेश रंजन, राजशेखर कुशवाहा, अमित आकर्षण, गोविंद पासवान नभटा मंडल अध्यक्ष मुकेश, कहर ग्रामीण मंडल अध्यक्षमिथिलेश कुमार,विजय बसंत ,रिंकी कुमारी, सुगामनी देवी, ममता देवी, पार्वती देवी, दिव्यांशु कुमार, प्रभात वर्मा, विद्यार्थी परिषद के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुजीत सान्याल, नन्हे सिंह, वीरेंद्र कुमार, छोटू झा, एवं सैकड़ो युवा साथियों ने मिलकर सफल बनाया।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
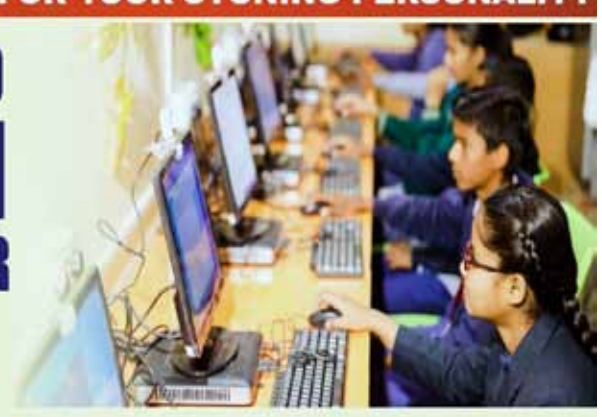
Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

संपादकीय

लालू की भविष्यवाणी... हकीकत या कहानी...?

देश के वरिष्ठ राजनेता तथा राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पूरे होश-हवाश में यह भविष्यवाणी की है कि नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार अगस्त तक की ही मेहमान है, उसके बाद उसका अंत हो जाएगा, अब लालू जी ने यह भविष्यवाणी किस आधार पर की, यह तो उन्होंने उजागर नही किया, किंतु जब कोई राष्ट्रीय स्तर का राजनेता इस तरह की भविष्यवाणी करता है, तो उस पर पूरे राष्ट्र का ध्यान जाना स्वाभाविक है, या तो लालू जी ने राजनीतिक कयासों के आधार पर ऐसा कुछ कहा है या उन्होंने अपना अंकीय दृष्टिकोण उजागर किया है, वैसे जिन हालातों में मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने है, वे किसी से भी छुपे नही है, ''कहीं की ईंट, कही का रोड़ा, मोदी जी ने कुनबा जोड़ा'' की उक्ति ही उनकी सरकार के बारे में बार-बार कही जा रही है, अब ऐसे में लालू जी का क्या गणित है? यह उन्होंने अभी उजागर नही किया है, किंतु यह बात तय है कि मोदी जी अपनी सरकार की पिछली दो पारियों की तरह पूरी दबंगता से अपनी तीसरी सरकार नही चला पाएगें, क्योंकि जहां राजनीतिक स्वार्थों के बीच करीबी टकराव होता है, वहां सत्ता से जुड़े राजनेता राजनीति के उद्देश्य और सिद्धांत सभी विस्मृत कर देते है, ...और आज देश इसी की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है।

मोदी जी की तीसरी सरकार बनने के बाद मैंने यही सब कुछ लिखा था, विशेषकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के बीच राजनीतिक स्वार्थ के बारे में और उसका भविष्यवाणी लालू जी ने कर दी। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मोदी जी जैसा व्यक्तित्व राजनीतिक या सत्ता के स्वार्थ के सामने अपने सिद्धांतों का समर्पण करने वाला व्यक्तित्व नहीं है इसलिए जबकि ऐसी कोई विकट स्थिति पैदा हुई तो वे एक मिनट में पद से इस्तीफा दे सकते है।

इन्हीं सब राजनीतिक हालातों के देखते हुए राजनीतिक पंडित इस सरकार को स्थाई सरकार मानने को तैयार नही है, इन पंडितों का कहना है कि जिस दिन भी सत्तारूढ़ किसी भी राजनीतिक दल की स्वार्थ सिद्धी में अवरोध पैदा होगा उसी दिन वह सरकार से समर्थन वापस लेने में देरी नही लगाएगा और चूंकि पक्ष और विपक्ष के बीच बहुमत का अंतर बहुत कम है, इसलिए उसी दिन इस सरकार का अवसान हो जाएगा और फिर देश में एक ही विकल्प बचेगा और वह होगा राष्ट्रपति शासन और उसके बाद मध्यावधि चुनाव करवाने की ही मजबूरी होगी, इसलिए इस मौजूदा सरकार की तुलना महाभारत काल के कौरव-पांडव के बीच की द्रोपदी से की जाए तो बिल्कुल भी गलत नही होगा।

वैसे यहां यदि यह भी कहा जाए कि हमारी आजादी के सात दशक बाद देश की आम वोटर राजनीतिक स्वार्थी व सत्ता लौलूप राजनेताओं से परेशान होगया है तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि आज सत्तारूढ़ दल हो या विपक्षी दल किसी में भी 'जनसेवा' की भावना तो बिल्कुल भी मौजूद नही रही है, इन सब पर राजनीतिक तथा व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी हावी हो गई है और इसी भावना के चलते देश अपना गौरवमयी अतीत तथा वर्तमान सब भूल चुका है, आज देशके आम वोटर के सामने सबसे अहम सवाल देश की स्थिति का नहीं, उसके स्वयं के व परिवार के भरण-पोषण का है, इसलिए उसे देश व राजनीति के बारे में सोचने की फुर्सत ही नही है, स्वार्थी राजनेताओं ने जानबूझकर देश में ऐसी स्थिति पैदा की है, जिससे कि वे सत्ता में 'दीर्घजीवी' बने रहे है, ऐसे हालातों में इस देश, इसकी आजादी और देशवासियों का क्या होगा? इसका जवाब कोई भी ''भाग्यविधाता'' देने को तैयार नही है।

....और जहां तक लालू जी के ताजे बयान के अर्थ निकाले जाए तो उनका कथन गलत नही लगता, क्योंकि आज देश में सत्तारूढ़ दलों के बीच देश को आगे बढ़ाने या उसके विकास की स्पर्द्धा नही है, बल्कि अपनी राजनीतिक व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी की स्पर्द्धा है, जिस प्रजातंत्री देश में प्रजा गौण और तंत्र मुख्य हो जाता है वहां यही होता है, इसलिए अब 'प्रजा' को ही 'तंत्र' के बारे में गंभीर चिंतन करना पड़ेगा और सही राह पर देश को लाना पड़ेगा।

- ओमप्रकाश मेहता

मध्यवर्गीय परिवारों को केंद्र से है आर्थिक मामलों में राहत की आस

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है।

उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है।

ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा। दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

- प्रहलाद सबनानी
(लेखक, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

आयुष्मान योजना के नाम पर गरीबों से पल्ला झाड़ती सरकार

केंद्र सरकार आयुष्मान भारत का बीमा कवर 10 लाख रुपए करने की तैयारी कर रही है। आयुष्मान योजना में लाभार्थियों की संख्या दोगुनी करने की बात कर रही है। आयुष्मान योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों और बड़े ऑपरेशन को शामिल किया जाता है। सरकार ने सरकारी अस्पतालों को भी आयुष्मान भारत योजना से जोड़कर गरीब और मध्यम वर्गीय आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को उसकी पहुंच से दूर करने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना के कारण सरकारी और निजी अस्पतालों में गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। जो दवाइयां और जांच सरकारी अस्पतालों में मिलनी चाहिए थी। जो डॉक्टर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए मिलना चाहिए था। वह अब संभव नहीं हो पा रहा है। गंभीर बीमारियों के इलाज के मामले में जिनमें लाखों रुपए का खर्च आता है, उन्हीं बीमारियों का इलाज आयुष्मान योजना में कवर है। पूरे जीवन में एक या दो बार कभी इस तरह की बीमारियों से आम आदमियों को सामना करना पड़ता है। समय-समय पर होने वाले सर्दी, जुकाम, बुखार और अन्य बीमारियां जिनका उपचार दवाइयों के माध्यम से होता है, आयुष्मान योजना में वह उपलब्ध नहीं होती हैं। सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। खुले बाजार से महंगी कीमत पर यह दवाइयां आम गरीबों को खरीदना पड़ रही हैं। जब से आयुष्मान योजना लागू हुई है उसके बाद पिछले एक दशक में दवाइयों की कीमत बाजार में 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। डॉक्टरों की फीस 200 रूपये से लेकर 700 रुपए तक छोटे शहरों में मरीजों को चुकानी पड़ रही है। मरीजों को महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। लाइन में लगने के बाद यदि डॉक्टर उपलब्ध हो गए, तो सरकारी अस्पतालों में दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। गरीब और मध्यम वर्ग को सरकार ने आयुष्मान योजना का झुनझुना पकड़ा कर पल्ला झाड़ लिया है। स्वास्थ्य सेवाओं में लूट का एक नया दौर शुरू हुआ है। आयुष्मान भारत योजना बीमा आधारित योजना है। बीमा कंपनियां इस योजना में बड़ी-बड़ी बीमारियों को शामिल करती हैं। निजी अस्पतालों में तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। निजी अस्पताल धोखाधड़ी भी कर रहे हैं। निजी एवं सरकारी अस्पतालों में गरीबों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। सामान्य बीमारियों में उपचार की जरूरत समय-समय पर पडती हैं। वह आयुष्मान योजना से कवर नहीं होती है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के ऊपर स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। आयुष्मान भारत बीमा योजना में सरकार 5 लाख और 10 लाख रुपए तक खर्च करने की बात जरूर करती है, लेकिन सामान्य बीमारियों का इलाज इस बीमा योजना से क्यों नहीं होता है? कुछ वर्षों पहले तक जो ऑपरेशन और इलाज 10000 से लेकर 50000 रूपये के खर्चे में आसानी से हो जाते थे, अब वही इलाज और ऑपरेशन का खर्च लाखों रुपया क्यों हो गया है। इसका पता भी सरकार को करना चाहिए। दवाइयों की कीमतें इतनी तेजी के साथ क्यों बढ़ी हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जब परिवार का कोई सदस्य सामान्य बीमारी का शिकार होता है तो डॉक्टरों की फीस और दवाइयों में हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। डॉक्टर जो जांच कराते हैं। उनके लिए भी हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। सामान्य बीमारियां और उनकी जांच बीमा में कवर नहीं होती है। आयुष्मान योजना में इसका लाभ गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण लोगों में अब गुस्सा देखने को मिलने लगा है। आयुष्मान योजना लागू होने के पहले सरकारी अस्पतालों में जो व्यवस्थाएं थीं उसमें गरीबों को डॉक्टर दवाइयां और इलाज उपलब्ध कराई जा रही थी। सरकारी अस्पतालों में जांच का जिम्मा सरकार उठाती थी। अब यह सारी स्थितियां सरकारी अस्पतालों में खत्म होती जा रही हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिला अस्पताल भी आयुष्मान योजना से जोड़ दिए गए हैं। जिसके कारण सरकारी अस्पतालों में आमजनों को अब इलाज नहीं मिल पा रहा है। लोगों को बाजार से महंगी दवाई खरीदनी पड़ रही है। जो दवाई 10 साल पहले एक रुपए की बाजार में उपलब्ध थी। आज वही दवाई बाजार में 10 रूपये से ज्यादा कीमत पर मिल रही है। सरकार ने यह मान लिया है, आम लोगों को सामान्य बीमारियां नहीं होती हैं। सामान्य बीमारियों के लिए उसे बाजार के भरोसे छोड़ दिया गया है। दवा कंपनियों की लूट मची हुई है। बड़े-बड़े ऑपरेशन और गंभीर बीमारियों का इलाज ही आयुष्मान योजना में हो पा रहा है। होना तो यह चाहिए कि अस्पताल की कोई भी स्वास्थ्य सेवाएं हों, आयुष्मान कार्डधारी को जांच से लेकर दवाइयां और ऑपरेशन इत्यादि निःशुल्क मिलने की जिम्मेदारी आयुष्मान योजना में होनी चाहिए, जो नहीं है। बीमा की राशि 5 लाख हो या 10 लाख हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। कोई भी आदमी बीमार नहीं होना चाहता है। मौसम में बदलाव, खाने-पीने के कारण एवं अन्य कारणों से समय-समय पर बीमारियों का सामना लोगों को करना पड़ता है। उस समय बीमा योजना उनकी कोई मदद नहीं करती है। उल्टा बीमार व्यक्ति के परिवारजन को अपनी बचत का पैसा या कर्ज लेकर इलाज कराना पड़ता है। सरकार गरीबों की इस परेशानी को समझे और अस्पतालों में किसी भी बीमारी की जांच और इलाज मुफ्त में हो। इसकी व्यवस्था आयुष्मान भारत बीमा योजना में करने की जरूरत है। तभी गरीबों का भला होगा। अभी तो बीमा कंपनियों का और सरकार में बैठे राजनेताओं का ही भला हो रहा है। बड़ी-बड़ी दवा कंपनियां सरकार को करोड़ों रुपयों का चंदा देती हैं। मनमानी कीमतों पर दवाइयां बेच रही हैं। यही वर्तमान का सच है।

- सनत जैन

आज का पंचांग

9 जुलाई 2024 को आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि है। इस तिथि पर आश्लेषा नक्षत्र और सिद्धि योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो मंगलवार को अभिजीत मुहूर्त 11:58-12:53 मिनट तक है।

आज का राशिफल

मेष : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी।

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

मिथुन : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

कर्क : आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

सिंह : आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें।

कन्या : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा।

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

वृश्चिक : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ समाचारों मिलेगें।

धनु : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें।

मकर : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कुंभ : राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

मीन : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा।

एथलेटिक थेरेपिस्ट

स्पोर्ट्स में ब्राइट करियर

इंडिया में अगर इंजीनियरिंग, मेडिकल, आइएएस, एंटरप्रेन्योरशिप में करियर बनाने का क्रेज है, तो स्पोर्ट्स का पैशन रखने वाले और उसे प्रोफेशन के रूप में अपनाने वाले भी कम नहीं हैं। खिलाड़ी के रूप में नाम कमाने के अलावा स्पोर्ट्स गुड्स इंडस्ट्री से जुड़कर भी लाखों युवा अपना भविष्य संवार रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार, इस इंडस्ट्री में पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इंटरनेशनल मार्केट में इंडियन स्पोर्ट्स गुड्स की विश्वसनीयता बढ़ने से एक्सपोर्ट मार्केट में इंडस्ट्री की धाक है। इधर, स्पोर्टिंग इवेंट्स में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। वे अपनी ट्रेनिंग और फिटनेस पर पूरा फोकस कर रहे हैं, जिससे एथलेटिक थेरेपी एक नए विकल्प के तौर पर सामने आया है।

क्या है एथलेटिक थेरेपी?

एथलेटिक थेरेपी को स्पोर्ट्स मेडिसिन भी कहते हैं। इसमें किसी भी खिलाड़ी की परफॉर्मेंस में सुधार लाने के लिए मेडिकल साइंस का इस्तेमाल किया जाता है। इसके तहत खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने की साइंटिफिक तकनीक बताई जाती है, जिससे वे चोटिल होने पर भी दोबारा जल्द वापसी कर सकते हैं या फिर चोटिल हुए बिना अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर कर सकते हैं। एक एथलेटिक थेरेपिस्ट का काम किसी भी घायल खिलाड़ी को तुरंत राहत और सपोर्ट उपलब्ध कराना होता है। इसके अलावा, दूसरे हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, फिजिकल थेरेपी, फिजियोथेरेपी, ऑर्थोपेडिक एक्सपर्ट्स की मदद से खिलाड़ियों का रीहैबिलेशन किया जाता है। उन्हें चोट से बचाव के उपाय बताए जाते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

एथलेटिक थेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास स्पोर्ट्स मेडिसिन (एमबीबीएस), स्पोर्ट्स फिजिकल थेरेपी में मास्टर्स डिग्री होनी चाहिए। साथ ही, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी और एथलेटिक ट्रेनिंग में अतिरिक्त सर्टिफिकेट होने से फायदा मिलेगा। स्टूडेंट्स के पास फर्स्ट-एड और लाइफ सपोर्ट में सर्टिफिकट होना आवश्यक है। आप फिजियोथेरेपी में डिग्री कोर्स करके भी इस सेक्टर में आ सकते हैं। इंडिया में कई इंस्टीट्यूट्स और यूनिवर्सिटीज फिजियोथेरेपी में मास्टर्स कोर्स संचालित करती हैं।

बेसिक स्किल्स

एथलेटिक थेरेपिस्ट के लिए खेल के प्रति लगाव, मोटिवेशन और दृढ़निश्चय का होना सबसे पहली जरूरत है। इसके साथ ही गंभीर मेडिकल अवस्था की जांच के लिए क्लीनिकल एक्सपीरियंस होना चाहिए। इसके अलावा, बेसिक साइकोलॉजिकल स्किल्स होना भी जरूरी है, ताकि मरीजों से इंटरैक्शन में कोई दिक्कत न हो। जो लोग करियर में ऊंची छलांग लगाना चाहते हैं, उन्हें स्पोर्ट्स मेडिसिन में हो रहे लेटेस्ट डेवलपमेंट्स की जानकारी रखनी चाहिए।

संभावनाएं

इन दिनों जिस तरह से खिलाड़ी इंजरी मैनेजमेंट से लेकर अपने खेल को उन्नत बनाने के लिए साइंटिफिक अप्रोच के साथ काम कर रहे हैं, उसे देखते हुए जॉब मार्केट में एथलेटिक या स्पोर्ट्स थेरेपिस्ट की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। जिम और स्पोर्ट्स कल्चर के बढ़ने से भी यह एक आकर्षक विकल्प के रूप में चुना जा रहा है। मल्टीनेशनल स्पोर्ट्स कंपनीज एथलेटिक थेरेपिस्ट्स को हायर करती हैं। वैसे, इंजरी प्रिवेंशन या मैनेजमेंट, मस्क्यूलोस्केलेटल रिहैबिलिटेशन में ट्रेन्ड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, चाहें तो इस सेक्टर में मनचाहा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

सैलरी

एक एथलेटिक थेरेपिस्ट करियर की शुरुआत में 40 हजार रुपये आसानी से कमा सकता है। अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी 75 हजार रुपये से तीन लाख रुपये महीने तक हो सकती है।

प्रमुख इंस्टीट्यूट्स

–जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
www.jmi.ac.in
–मणिपाल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
www.manipal.edu
–इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
www.ipu.ac.in
–एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
www.amity.edu
–गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर
www.gndu.ac.in
–डी.वाई. पाटिल यूनिवर्सिटी, पुणे

पर्यावरण इंजीनियरिंग में रोजगार की व्यापक संभावनाएं

पर्यावरण इंजीनियर नगर निगम की जल आपूर्ति और औद्योगिक अपशिष्ट उपचार प्रणाली को भी डिजाइन करते हैं । साथ ही साथ स्थानीय और विश्वव्यापी प्रदूषण के मुद्दों से मुखातिब होते हैं जैसे अम्ल वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षरण, जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण आज पूरी दुनिया पर्यावरणीय समस्याओं से जूझ रही है । जलवायु परिवर्तन की समस्या के कारण पूरी मानवता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं । ऐसे में, जबकि हर जगह हरित अर्थव्यवस्था और हरित रोजगार की बातें हो रही हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग एक ऐसा ही क्षेत्र है जो व्यक्ति को पर्यावरण हितैषी रोजगार उपलब्ध करवाता है और प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता का स्तर सुधारने में योगदान भी देता है । पर्यावरण की गंभीर होती स्थिति ने पर्यावरण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं उपलब्ध करवा दी हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग हवा, पानी और भूमि संसाधनों में सुधार करने और प्रदूषित स्थानों को सुधारने के लिए विज्ञान और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। पर्यावरण इंजीनियर खतरनाक-अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था करते हैं पर्यावरणीय खतरों का मूल्यांकन करते हैं, इन खतरों के रोकथाम, के लिए योजना बनाते हैं और सलाह मुहैया कराते हैं। पर्यावरण इंजीनियर नगर निगम की जल आपूर्ति और औद्योगिक अपशिष्ट उपचार प्रणाली को भी डिजाइन करते हैं । साथ ही साथ स्थानीय और विश्वव्यापी प्रदूषण के मुद्दों से मुखातिब होते हैं जैसे अम्ल वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग,ओजोन क्षरण जल प्रदूषण और वायु प्रदूषण। लोगों को पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा और उत्पादों की ओर आकर्षित करना पर्यावरण इंजीनियरिंग का मुख्य क्षेत्र है । पर्यावरण इंजीनियरिंग के कार्यक्षेत्र

पर्यावरण इंजीनियरिंग में कई प्रभाग हैं । प्रदूषक रासायनिक, जैविक ,थर्मल, रेडियोधर्मी और यांत्रिक भी हो सकते हैं। इसलिए पर्यावरण इंजीनियरिंग का क्षेत्र बहुत व्यापक हो जाता है । इसमें प्रमुख रुप से निम्न क्षेत्र शामिल हैं। कृषि इंजीनियरिंग जीवविज्ञान, रसायन इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान सिविल इंजीनियरिंग पारिस्थितिकी भूगोल भूविज्ञान खतरनाक अपशिष्ट जल उपचार पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन इस खंड में इंजीनियर और वैज्ञानिक पर्यावरणीय स्थितियों पर भौतिक, रासायनिक, जैविक, सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक घटकों के प्रभाव का आकलन करते हैं। यह मूल्यांकन करने के लिए वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग सिद्धांतों का प्रयोग किया जाता है।

योग्यता

पर्यावरण इंजीनियरिंग को कैरियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थी को प्लस के बाद पर्यावरण इंजीनियरिंग में बीएसी कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन में पर्यावरण इंजीनियरिंग में बीएसी करने वालों के साथ बीई अथवा बीटेक डिग्रीधारक भी प्रवेश ले सककते हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरण इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिप्लोमा भी अभ्यर्थियों के बीच काफी लोकप्रिय है।

संभावनाएं

पर्यावरण इंजीनियरिंग में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदूषण नियंत्रक संस्थाओं में डिजायनर अथवा प्लानर के रुप में आप कैरियर संवार सकते हैं। सरकारी और निजी संस्थाओं में रिसर्चर की नियुक्ति आकर्षक वेतनमान पर की जाती है। विश्वविद्यालय स्तर पर प्राध्यापक के रुप में भी आप अपने कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं।वेतनमानकैरियर के शुरुआती दौर में एक पर्यावरण इंजीनियर को आसानी से 25 से 30 हजार रुपए मिल जाते हैं। पर्यावरण इंजीनियरिंग में एम टेक कर चुके लोगों का वेतनमान प्राय- 35 से 50 हजार रुपए तक होता है।

संस्थान

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हौज खास, नई दिल्ली
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर
- रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर

आजकल के युवा पर्यावरण इंजीनियरिंग में कैरियर बना रहे हैं। इसमें कैरियर के लिहाज से बहुत अच्छा स्कोप है। आप जुलॉजी, इकोलॉजी में एमएससी करके इस फील्ड में खुद को स्थापित कर सकते हैं । एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग पर्यावरण को बचाती है। एनवायरमेंट इंजीनियरिंग प्राकृतिक कंपोनेंट्स का मूल्यांकन कर उनकी गुणवत्ता का पता लगाती है और प्रकृति की दशा को सुधारने के लिए प्लान डिजाइन करती है।

एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग के संस्थान में प्रवेश लेते समय छात्र को सर्वप्रथम यह ध्यान रखना चाहिए कि वह संस्थान मान्यता प्राप्त हो और उसमें अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक लैब हो। साथ ही, पढ़ाने वाले अध्यापक यूजीसी के मानकों को पूरा करते हों। एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग में बेहतर स्कोप है जरूरत है तो कठिन परिश्रम व लगन की।

करियर के लिए प्लानिंग जरूरी

अपने लिए सही करियर चुनने का मौका हर युवा को मिलता है, परंतु इसके लिए आप में अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से सही फैसला लेना बेहद जरूरी है। वास्तव में इसकी तैयारी हम अपने शैक्षणिक काल में विषयों के चुनाव से ही आरंभ कर देते हैं। कभी-कभी इसमें लिया गया गलत निर्णय पूरे जीवन को प्रभावित करता है।

अवसर को पहचानना सीखें

कई बार जिंदगी हमें गलत फैसलों को भी ठीक करने का मौका देती है, जो हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है। यदि आप सावधान हैं तो मिल रहे उन अवसरों को लपक सकते हैं। सवाल यह उठता है कि अब उस अवसर को पहचाना कैसे जाए। इसमें करियर काऊंसलर आप की मदद कर सकते हैं।

समझें मनोविज्ञान

हम में से अधिकांश ऐसा करते हैं कि दोस्तों ने जो विषय लिए हैं वही लेने हैं और कई वर्ष बाद जा कर महसूस होता है कि यह लाइन हमारे लिए नहीं थी। यदि हमने अपने लिए कोई ड्रैस भी खरीदनी है, तो उसके लिए कई बार सोचते हैं, कई दुकानें घूमते हैं, जबकि उस ड्रैस को हम मात्र 10-20 बार ही पहनते हैं। फिर करियर की जिस राह ने वर्षों तक हमारा हाथ थामना है, उसे हम दूसरों की नकल कर अपना लेते हैं, जबकि करियर ही तो हमें हमारे सपनों की राह तक ले जाता है।

करें विश्लेषण

अपनी स्ट्रैंथ, हॉबी एवं पैशन का विश्लेषण करें और समाज में एक खास शख्सियत के रूप में अपना नाम बनाएं। यदि समाज की बुराइयां आपको व्यथित करती हैं तो रिपोर्टिंग में जाएं और यदि पुरानी चीजों को समझना और गहराई से चिंतन करना भाता है तो पुरातत्व विभाग में जाएं। यदि आपको लोगों से मिलना और उन्हें मोटीवेट करना पसंद है, तो एच.आर. मैनेजर, मार्कीटिंग मैनेजर, शिक्षक, काऊंसलर या टूर गाइड जैसे करियर में किस्मत आजमाएं। यदि आपकी दिलचस्पी भवनों और स्थापत्य कला में है तो सिविल इंजीनियर के रूप में अपना करियर चुनें।

चाह सफलता और दौलत की

आज युवा वह करियर चुनना चहते हैं, जिसमें ढेर सारा पैसा और सफलता के अवसर भी हों। सिनेमा की फंतासी उनके इस ख्वाब को अधिक हवा देती है परंतु सफलता का पैमाना तो पत्रकारों, लेखकों, शैफ या काऊंसलर्स की लाइफ में भी होता है। सिर्फ डॉक्टर, वकील या इंजीनियर ही सफल व्यक्तित्व वाले नहीं माने जा सकते। जरूरत तो इस बात की है जो भी करियर आप चुनें, उससे शिद्दत से जुड़ें और सफलता के नए आयाम तलाशें।

सफलता प्राप्त करने का संक्षिप्त मार्ग....

पानी की एक-एक बूंद से जिस तरह घड़ा भर जाता है, उसी प्रकार थोड़े से अभ्यास से सभी प्रकार की विद्याएं, धार्मिक ज्ञान तथा धन प्राप्त किया जा सकता है। विद्वान को भोजन तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की चिन्ता छोड़कर केवल धर्म संग्रह की चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि परमात्मा ने दैहिक आवश्यकताओं की पूर्ति की व्यवस्था पहले ही कर दी है।

जीवन में सफलता प्राप्त करने का कोई संक्षिप्त मार्ग नहीं है। जीवन में धीरज के साथ अपने कर्म करने के साथ ही ज्ञानार्जन का अभ्यास सतत करना ही सफलता का मंत्र है। संक्षिप्त मार्ग ढूंढने का आशय है अप्राकृतिक साधनों की तरफ आकर्षित होकर अपने लिए विपत्तियों को बुलाना। लोग एक दिन में ही लखपति और फिर करोड़पति बनना चाहते हैं।

सच बात तो यह है कि अवैध या आपराधिक कार्यों में ही यह संभव है पर स्वच्छ और पवित्र व्यवसायों में तो धीरज के साथ ही उन्नति की तरफ बढ़ा जाता है। इस बात पर विचार कर सुख के साथ शांतिपूर्वक जीवन की इच्छा करने वालों को अपने व्यवसाय और नौकरी के साथ ही आध्यात्मिक विषयों में भी रुचि लेनी चाहिए।

इतना ही नहीं जीवन में परिश्रम से बचने का कोई प्रयास नहीं करना चाहिए। काम करने से ही आत्मविश्वास बढ़ता है और इसके लिए जरूरी है कि अपने प्रयास में नैतिकता और ईमानदारी बरतें। अपने व्यवसाय और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्ति के कार्य के निरंतर अभ्यासरत रहने से उपलब्धियां प्राप्त होती हैं और इस पर विश्वास करना चाहिए।

अभिषेक ने डेब्यू सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय आईपीएल को दिया

हरारे। अभिषेक शर्मा ने युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में सहज बदलाव सुनिश्चित करने का श्रेय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना दूसरा टी20 मैच खेल रहे अभिषेक ने आईपीएल 2024 में दिखाए गए इरादे को दोहराया और 46 गेंदों में शतक बनाकर हरारे की भीड़ को रोमांचित करने में सफल रहे। उनके शतक की बदौलत भारत ने रविवार को दूसरे टी20 मैच में जिम्बाब्वे को हराकर 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। मैच के बाद अभिषेक ने कहा, "मुझे लगता है कि आईपीएल इसमें बड़ी भूमिका निभाता है क्योंकि एक युवा खिलाड़ी के रूप में, एक नवोदित खिलाड़ी के रूप में, जब हम देश का प्रतिनिधित्व करने आए थे, तो हमें बहुत अधिक दबाव महसूस नहीं हुआ।" उन्होंने कहा, "जब आप देश के लिए खेल रहे होते हैं, तो यह हमेशा एक बड़ी प्रेरणा होती है। दुर्भाग्य से पहला मैच अच्छा नहीं रहा, लेकिन मेरी मानसिकता और इरादा वही था। मैंने अन्य नवोदित खिलाड़ियों से भी बात की, हम सभी ने लंबे समय से एक साथ क्रिकेट खेला है, मैं कहूंगा कि अंडर 14 दिनों से। मुझे

लगता है कि टी20 में यह सब दृष्टिकोण, इरादे के बारे में है। अगर मैं इरादा दिखाता हूं और अगर यह मेरा दिन है, तो आमतौर पर ऐसा होता है।" अभिषेक ने अपने खेल में भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के योगदान को श्रेय दिया और अपनी तूफानी पारी में आठ छक्के लगाए। उन्होंने कहा, "यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। मेरे पिता का विशेष धन्यवाद जिन्होंने मुझे बचपन से ही लॉफ्टेड शॉट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। आमतौर पर कोच आपको लॉफ्टेड शॉट खेलने की अनुमति नहीं देते हैं। मेरे पिता मुझसे कहते थे कि अगर आप लॉफ्टेड शॉट खेलना चाहते हैं, तो उसे मैदान से बाहर जाना चाहिए। मेरे लिए, बचपन से ही यह बात रही है कि अगर मैं आत्मविश्वास से भरा हूं, तो मैं खुद को अभिव्यक्त करना पसंद करता हूं।" युवा सलामी बल्लेबाज ने खुलासा किया कि उन्होंने मैच के लिए शुभमन गिल के बल्ले का इस्तेमाल किया था, ऐसा उन्होंने पहले भी नियमित रूप से किया है। एक ही राज्य से आने वाले दोनों खिलाड़ी छोटी उम्र से ही एक साथ खेलते हुए बड़े हुए हैं। अभिषेक ने कहा, "यह यात्रा बहुत खूबसूरत रही है। जब हमने खेलना शुरू किया, तब हम लगभग 10-11 साल के थे और हम अंडर-12 से ही साथ-साथ खेल रहे हैं। हमारा अंतिम लक्ष्य देश का प्रतिनिधित्व करना था। मैंने पहले भी कहा है कि मुझे (चयन के बारे में) सबसे पहले शुभमन का फोन आया था, वह बहुत खुश था।" उन्होंने कहा, "मैंने आज उनके [शुभमन के] बल्ले से खेला और यह वास्तव में अच्छा रहा, बल्ले के लिए उनका विशेष धन्यवाद। यह अंडर-12 के दिनों से होता आ रहा है, जब भी मुझे लगता है कि यह दबाव वाला खेल है या यह ऐसा मैच है जिसमें मुझे अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, मैं उनका बल्ला ले लेता हूँ। आईपीएल में भी, मैं उनका बल्ला माँगता हूँ। यह वास्तव में अच्छा रहा।" पांच मैचों की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर हो गई है, तीसरा मैच 10 जुलाई को उसी स्थान पर खेला जाएगा।

सिल्वरवुड की जगह सनथ जयसूर्या बनेंगे श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीम के कोच

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और एक समय मुख्य चयनकर्ता रहे सनथ जयसूर्या ने सोमवार को कहा है कि वह राष्ट्रीय पुरुष टीम के नए मुख्य कोच होंगे। क्रिस सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप से देश के जल्दी बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। 55 वर्षीय जयसूर्या ने कहा कि उन्हें श्रीलंका क्रिकेट ने इस महीने भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज और अगस्त में श्रीलंका के इंग्लैंड दौरे से पहले राष्ट्रीय टीम का कोच बनने के लिए कहा है। जयसूर्या ने एएफपी से कहा, "मुझे कोचिंग का जिम्मा संभालने के लिए कहा गया है और मैं ऐसा करके खुश हूं।" पूर्व टेस्ट और वनडे कप्तान जयसूर्या राष्ट्रीय चयनकर्ता भी रह चुके हैं। 21 जुलाई को चल रही टी20 लंका प्रीमियर लीग के खत्म होने के बाद उन्हें टीम की कमान संभालनी है। जयसूर्या ने खेल के तीनों प्रारूपों में 586 बार श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 42 शतक और 440 विकेट शामिल हैं। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय

मैच 2011 में खेला था। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार, इंग्लैंड के पूर्व कोच सिल्वरवुड, ने "व्यक्तिगत कारणों" से पद छोड़ दिया, जिसने उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया। श्रीलंका ने टी20 विश्व कप टूर्नामेंट में नीदरलैंड के खिलाफ केवल एक मैच जीता और अपने ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बाद तीसरे स्थान पर रहा। सिल्वरवुड ने अप्रैल 2022 में पदभार संभाला और तुरंत सफलता का आनंद लिया, क्योंकि श्रीलंका ने उसी वर्ष बाद में टी20 एशिया कप जीता। इसके बाद टीम 2023 में 50 ओवर के एशिया कप के फाइनल में पहुंची,लेकिन वे 2022 में टी20 विश्व कप और पिछले साल के 50 ओवर के विश्व कप के नॉकआउट चरणों में जगह बनाने में विफल रहे। पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी पिछले महीने "सलाहकार कोच" के पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीनियर एशियाई महिला स्नूकर टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चेन्नई पहुंचीं भारतीय क्यू खिलाड़ी अनुपमा

चेन्नई। सऊदी अरब के रियाद में आयोजित सीनियर एशियाई महिला स्नूकर टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अनुपमा रामचंद्रन का चेन्नई हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। टूर्नामेंट का आयोजन 1 से 5 जुलाई तक किया गया था। यह टूर्नामेंट नॉकआउट एंड-लीग प्रारूप में आयोजित किया गया था। अनुपमा ने खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पंचया चन्नई को 3-1 से हराकर खिताब हासिल किया। 3-1 की जीत में, अनुपमा अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ़ उम्मीद के मुताबिक शुरुआत नहीं कर पाईं। वह शुरू में 1-0 से पीछे थीं, लेकिन वापसी करते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। अनुपमा ने सेमीफाइनल में अपनी साथी भारतीय क्यूइस्ट कीर्तना पांडियन को 3-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। अनुपमा ने महिला वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि भारत के शीर्ष

क्यूइस्ट पंकज आडवाणी 2024 एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में खिताब की हैट्रिक हासिल करने के अपने अभियान में पिछड़ गए, जब उन्हें भारत के अपने प्रतिद्वंद्वी ध्रुव सितवाला के खिलाफ अंतिम दौर में 2-5 से हार का सामना करना पड़ा। ध्रुव ने शानदार तरीके से मैच की शुरुआत की और 103 अंक बनाए, जबकि पंकज को बोर्ड पर जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। ध्रुव ने खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और खिताब हासिल किया।

सिकंदर रजा ने की टीम इंडिया की तारीफ, कहा- विश्व चैंपियन ने विश्व चैंपियन की तरह खेला

हरारे। रविवार को पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी-20 मिली हार के बाद, जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की सराहना करते हुए कहा कि विश्व चैंपियंस ने विश्व चैंपियंस की तरह खेला। अभिषेक शर्मा के धमाकेदार शतक और उसके बाद भारतीय गेंदबाजों की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम ने रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में जिम्बाब्वे को 100 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। मैच के बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा, "विश्व चैंपियन आखिरकार विश्व चैंपियन की तरह ही खेलेंगे। आज कैच छोड़ने से हमें निश्चित रूप से नुकसान हुआ।

मुझे आज इस विकेट पर 200 रनों की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने 30 रन और बना लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए, मुझे लगा कि यह एक करीबी मैच होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

ब्लेसिंग ने बहुत तेजी से तरक्की की है, वह बेहतरीन खिलाड़ी है और जब तक वह फिट रहेगा, उसका ग्राफ ऊपर ही जाता रहेगा। यह एक ऐसा काम है जिसके बारे में हम लंबे समय से बात कर रहे थे, हम सकारात्मक होकर अपने शॉट खेले, बहुत सारी समस्याएं अनुभवहीनता के कारण हुईं।" मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, भारत ने अभिषेक शर्मा (47 गेंदों में सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से 100 रन) और रुतुराज गायकवाड़ (47 गेंदों में 11 चौकों, 1 छक्के की मदद से 77* रन) की पारियों की मदद से 20 ओवरों में 2 विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। रिंकू सिंह ने 218.18 की स्ट्राइक रेट से अपनी पारी में पांच छक्कों और दो चौकों की मदद से महज 22 गेंदों में 48 रनों की तेज पारी खेली। मेजबानों के लिए, मैच में ब्लेसिंग मुजरबानी और वेलिंगटन मसाकाद्जा ने अपने-अपने स्पेल में एक-एक विकेट लिया। 235 रनों के बड़े स्कोर का पीछा करते हुए, जिम्बाब्वे की टीम 18.4 ओवर में 134 रनों पर ढेर हो गई। टीम के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी उनके सलामी बल्लेबाज़ वेस्ली मधेवेरे रहे जिन्होंने 39 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाए। ऑलराउंडर ल्यूक जोंगवे ने 26 गेंदों पर 33 रन बनाए जिसमें उनकी पारी में चार चौके शामिल थे। भारतीय टीम के लिए तेज गेंदबाज आवेश खान और मुकेश कुमार ने अपने स्पेल में तीन-तीन विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई ने दो और वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया।

व्यापार

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में तेजी बनी रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिका में शुक्रवार को आए जॉब डेटा के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए। डाउ जॉन्स 66 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,567.19 अंक के स्तर पर

पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 164.46 अंक यानी 0.90 प्रतिशत उछल कर 18,352.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,301.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव की स्थिति बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,203.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,675.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,475.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 398.11 अंक यानी 1.69 प्रतिशत की बड़ी छलांग के साथ 23,954.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,978.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,864.73 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,314.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,381 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.12 प्रतिशत टूट कर 3,406.64 अंक के स्तर तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 229.49 अंक यानी 1.29 प्रतिशत फिसल कर 17,570.12 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,250.25 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत लुढ़क कर 2,934.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सोना गिरकर 73 हजार, चांदी भी 93,250 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट आज 13 रुपये की गिरावट के साथ 73,038 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 86 रुपये की गिरावट के साथ 72,965 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर

कॉन्ट्रेक्ट 259 रुपये की गिरावट के साथ 93,295 रुपये पर खुला। इस समय यह 284 रुपये की गिरावट के साथ 93,270 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,396.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,397.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 6.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,391.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.68 डॉलर था। फिलहाल यह 0.33 डॉलर की गिरावट के साथ 30.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एलआईसी ने आरआईएल, टाटा और अदाणी ग्रुप व अन्य कंपनियों में घटाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली। सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2024 में सभी प्रमुख समूहों में अपनी हिस्सेदारी घटाकर शेयर बाजार में तेजी का भरपूर फायदा उठाया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक हिस्सेदारी कम करने के बावजूद सभी समूहों में इसकी बची हुई हिस्सेदारी का मूल्य काफी हद तक बढ़ गया है। इस साल मार्च तक के शेयरहोल्डिंग डेटा के मुताबिक मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली कंपनियों में एलआईसी का निवेश सबसे ज्यादा है, इसके बाद टाटा और अदाणी ग्रुप की कंपनियां का नंबर आता हैं। पिछले सप्ताह

बाजार बंद होने तक शीर्ष समूहों में एलआईसी का निवेश 37.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4.39 लाख करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी ग्रुप की कंपनियों में एलआईसी के निवेश का मूल्य सबसे ज्यादा 1.5 लाख करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34.2 प्रतिशत अधिक है। एलआईसी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 6.37 प्रतिशत से घटाकर 6.19 प्रतिशत कर दी। एलआईसी ने इस साल मार्च तक टाटा समूह की कंपनियों में भी अपनी हिस्सेदारी घटाकर 4.05 प्रतिशत कर दी, लेकिन इसका मूल्य बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही का शेयरहोल्डिंग डेटा अभी उपलब्ध नहीं है। एलआईसी ने अदाणी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी 4.27 प्रतिशत से घटाकर 3.76 प्रतिशत कर दी है। इसकी हिस्सेदारी का मूल्य शुक्रवार तक 49.2 प्रतिशत बढ़कर 64,414 करोड़ रुपये हो गया।

सीएमएफ फोन 1 अगले महीने होगा लॉन्च

नई दिल्ली। स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी नथिंग का सब ब्रांड सीएमएफ जल्द ही अपना पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने वाला है। हैंडसेट सीएमएफ फोन 1 अगले महीने की शुरुआत में लॉन्च हो सकता है। इसकी जानकारी माइक्रोसाइट फलीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है। कंपनी की माइक्रोसाइट से साफ है कि ये स्मार्टफोन सुपर अमोलेड डिस्प्ले के साथ आएगा। इसके अलावा फोन की कुछ जानकारी लीक रिपोर्ट्स भी सामने आई है। एक टिप्स्टर ने इसकी कुछ डिटेल्स शेयर की हैं। भारत में ये फोन 8 जुलाई को लॉन्च हो रहा है। टिप्स्टर योगेश बरार के मुताबिक, सीएमएफ फोन 1 में 6.7-इंच का एस अमोलेड एलटीपीएस डिस्प्ले

मिल सकता है, जो 120 एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट के साथ आएगा। इस फोन की पीक ब्राइटनेस 2000 नीटस की होगी। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर दिया जा सकता है। ऑप्टिक्स की बात करें, तो फोन में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मिल सकता है, जो सेंटर पंच होल कटआउट में फिट होगा। इसके अलावा स्मार्टफोन में 50एमपी के मेन लेंस वाला कैमरा मिल सकता है। फोन में एक डेप्थ सेंसर भी होगा। स्मार्टफोन में एआई वीवीड मोड दिया जा सकता है। कंपनी इसे दो साल का सॉफ्टवेयर अपडेट ऑफर कर सकती है। फोन को पावर देने के लिए 5000 एमएएच की बैटरी और 33वॉट की फास्ट चार्जिंग दी जाएगी। इसके अलावा ये हैंडसेट आईपी52 रेटिंग के साथ लॉन्च होगा। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ये नथिंग फोन 2ए का रिब्रांडेड वर्जन हो सकता है।हैंडसेट मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 प्रोसेसर के साथ लॉन्च हो सकता है। इसमें 6जीबी और 8जीबी रैम के साथ 128जीबी स्टोरेज दिया जा सकता है। स्टोरेज को माइक्रो एसडी कार्ड की मदद से एक्सपैंड करने का ऑप्शन मिलेगा। फोन एंड्राएड 14 के साथ लॉन्च हो सकता है।

अजय-तब्बू की औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट अनाउंस

2 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

अजय देवगन और तब्बू स्टारर मच अवेटेड फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. इस फिल्म के ट्रेलर के बाद से तो इसका काफी बज बना हुआ है. ये फिल्म पहले 5 जुलाई 2024 को रिलीज होने वाली थी. हालांकि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी. फाइनली फिल्म की लीड स्टार्स ने औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. चलिए जानते हैं अजय और तबू की ये रोमांटिक ड्रामा बड़े पर्दे पर कब दस्तक देगी? औरों में कहां दम था का निर्माण करने वाली कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने 3 जुलाई को इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर अनाउंस किया था कि फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है. सके मुताबिक ये फिल्म 2 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, इंतजार 2 अगस्त को खत्म होगा! (रेड हार्ट इमोजी). इसका मतलब है कि फैंस को सिनेमाघरों में रोमांटिक थ्रिलर देखने के लिए लगभग एक महीने और इंतजार करना होगा. नीरज पांडे द्वारा निर्देशित, औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, शांतनु माहेश्वरी और सई मांजरेकर के साथ अजय देवगन और तबू मुख्य भूमिका में हैं. रोमांटिक थ्रिलर कृष्णा (अजय) और वसुधा (तब्बू) के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 22 साल तक अलग रहने के बाद फिर से एक-दूसरे से मिलते हैं. बता दें कि अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था की नई रिलीज डेट 2 अगस्त अनाउंस की गई है. ऐसे में ये फिल्म विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट से क्लैश करेगी. देखने वाली बात होगी कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म करती है और कौन किस पर भारी पड़ती है.

विक्की कौशल, त्रिप्ति डिमरी और एमी विर्क स्टारर बैड न्यूज़ का पहला गाना तौबा तौबा जारी

आनंद तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म बैड न्यूज पिछले लंबे वक्त से जबरदस्त चर्चा में है।यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए पहली बार विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की जोड़ी देखने को मिलेगी।एमी विर्क भी इस फिल्म महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।अब निर्माताओं ने बैड न्यूज का पहला गाना तौबा तौबा जारी कर दिया है, जिसे करण औजला ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल करण ने लिखे हैं, वहीं गाने का संगीत भी उन्होंने ही तैयार किया है। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं।नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी।इस फिल्म की कहानी भी साल 2019 में आई करीना कपूर और अक्षय कुमार की फिल्म गुड न्यूज की तरह एक बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है। विक्की ने तौबा तौबा गाने का म्यूजिक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कुछ कठिन डांस मूव्स को बड़ी ही आसानी से करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने क्लिप के कैप्शन में लिखा, पंजाबी गाना और मैं डांस न करूं? चलो चलें, तौबा तौबा गाना अभी रिलीज हुआ है। यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने पंजाबी गाने पर डांस किया हो। पिछले साल विक्की रियार साब और अभिजय शर्मा के गाने ऑब्सेस्ड पर ऑल-ब्लैक आउटफिट में डांस करते हुए वायरल हुए थे। उनके डांस मूव्स ने इस गाने को म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म स्पॉटिफाई पर भारत के टॉप 50 हिट्स में दूसरे स्थान पर पहुंचाया। तौबा तौबा गाने में विक्की कौशल शानदार डांस करते दिखाई दे रहे हैं। गाने की एक-एक बीट पर एक्टर ने अपनी डांसिंग स्किल को दिखाया है। वहीं तृप्ति डिमरी भी इसमें अपनी अदाओं का जादू दिखा रही हैं। रिलीज के कुछ घंटों बाद ही गाने ने सोशल मीडिया पर धमाल कर दिया है। फिल्म दो पंजाबी लड़कों और एक ईसाई हिंदू लड़की की कहानी के बारे में है।

वरुण शर्मा की वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का ट्रेलर जारी

नेटफ्लिक्स पर 10 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म

फुकरे, रूही और छिछोरे जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता वरुण शर्मा को आखिरी बार रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म तेरा क्या होगा लवली में देखा गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।जल्द ही वरुण फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान सिमर प्रीत सिंह ने संभाली है।अब निर्माताओं ने वाइल्ड वाइल्ड पंजाब का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो जबरदस्त कॉमेडी से भरपूर है। वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में वरुण के अलावा सनी सिंह, मनजोत और जस्सी गिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। पत्रलेखा और इशिता राज जैसी अभिनेत्रियां भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 10 जुलाई, 2024 से होगा।निर्माताओं ने सोशल मीडिया और यूट्यूब पर ट्रेलर साझा किया है।भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं। वाइल्ड वाइल्ड पंजाब एक मल्टीस्टारर फिल्म होगी. नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने एक्टर वरुण शर्मा अहम रोल में नजर आने वाले हैं. उनके अलावा इस फिल्म का हिस्सा सन्नी सिंह, मनजोत सिंह, जस्सी गिल, इशिता राज और पत्रलेखा भी है. फिल्म में वरुण शर्मा खन्ने नाम का किरदार निभाएंगे. उनका किरदार फिल्म का मुख्य किरदार है. इसमें खन्ने का ब्रेकअप हो जाएगा. इसके बाद उनके दोस्त सनी सिंह, मनजोत सिंह और जस्सी गिल फन्ने को ब्रेकअप के दर्द से निकालने में उनकी मदद करेंगे और सभी 'ब्रेक-अप ट्रिप पर निकल जाएंगे.

अवार्ड शो में शारिब से एक पल की मुलाकात और हो गई दोस्ती: अमृता खानविलकर

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर अपकमिंग सस्पेंस और मिस्ट्री थ्रिलर 36 डेज को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस सीरीज में उनके को स्टार शारिब हाशमी हैं। अमृता, शारिब की दोस्ती को अहम मानती हैं और उस पल को अनमोल मानती हैं जब दोनों मिले थे। दिलचस्प बात यह है कि दोनों का कनेक्शन 2021 से है तब जब अमृता ने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड थमाया था। अब यह दोनों 36 डेज में रील-लाइफ जोड़ी के तौर पर दिखेंगे। सीरीज के रिलीज होने से पहले अमृता ने शारिब संग दोस्ती का किस्सा शेयर किया। उन्होंने 2021 के एक अवार्ड फंक्शन का जिक्र किया। अमृता खानविलकर ने कहा, हम पहली बार एक ओटीटी अवार्ड फंक्शन में मिले थे और एक ही पल में दोस्ती की चिंगारी भड़क उठी थी। मैंने शारिब को उनका पहला ओटीटी अवार्ड सौंपा था और वो मेरे लिए एक गर्व का पल था क्योंकि मैं जानती थी कि वो एक समर्पित और टैलेंटेड अभिनेता हैं। अमृता ने कहा, अपने काम के लिए शारिब का समर्पण सच में प्रेरणादायक है। वेब सीरीज 36 डेज में उनके साथ काम करना बेहतरीन एक्सपीरियंस रहा है। हमारे किरदार- ललिता और विनोद एक मजबूत और गहरा रिश्ता शेयर करते हैं और ऐसे संबंधों को प्ले करना सच में चैलेंजिंग (चुनौतीपूर्ण) और फुलफिलिंग था। उन्होंने आगे कहा, ऐसा अक्सर नहीं होता है कि आपको ऐसा को-स्टार मिले जो आपकी परफॉर्मेंस के स्तर को बढ़ाए, लेकिन शारिब के साथ बिल्कुल वैसे को स्टार हैं। फिलहाल मैं दर्शकों के रिएक्शन को लेकर उत्साहित हूं। देखना चाहती हूं कि वो सीरीज में हमारे बीच की केमिस्ट्री और इमोशन्स की गहराई को देख कैसे रिएक्ट करते हैं। सीरीज 36 डेज में शारिब ने विनोद शिंदे का किरदार निभाया है। वह गोवा के होटल एमराल्ड ओशन्स स्टार सुइट में जनरल मैनेजर हैं। तो अमृता ने ललिता का किरदार निभाया है, जिसका अतीत उथल-पुथल भरा है। सीरीज 36 डेज में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, सुशांत दिवगीकर, श्रुति सेठ और चंदन रॉय सान्याल भी हैं। 36 डेज का प्रीमियर 12 जुलाई को सोनी लिव पर होगा।

40 की उम्र में भी नहीं थम रही आमना शरीफ की हॉटनेस

मिनी स्कर्ट में शेयर की फोटोज

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग लग रहे हैं। आमना शरीफ जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाई हील्स, हाथों में छोटा सा बेग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। आमना शरीफ आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच शेयर होते ही ट्रेंड करने लगता है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ स्विमिंग पूल के पास खड़े होकर एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। वहीं, एक्ट्रेस आमना शरीफ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार वेब सीरीज आधा इश्क में नजर आई थीं। इस सीरीज में उन्हें मां के रोल में देखा गया था।

कल्कि 2898 एडी का दुनियाभर में बज रहा डंका, 9 दिनों में वर्ल्डवाइड 800 करोड़ कर ली कमाई

नाग अश्विन निर्देशित लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'कल्कि 2898 एडी ने धमाल मचाया हुआ है. फिल्म ने रिलीज के महज 9 दिनों में ताबड़तोड़ कमाई हर हैरान कर दिया है. चलिए यहां जानते हैं 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 9 दिनों में वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन कर लिया है? साइंस-फाई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी के वीएफएक्स से लेकर दमदार कलाकारों की टोली और इसकी कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई है. फिल्म से प्रभास का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा गया है, दुनिया भर में ?800 करोड़ ग्लोबल बॉक्स ऑफिस. वहींकैप्शन में लिखा है, बॉक्स ऑफिस पर फायर (फायर इमोजी). एपिक ब्लॉकबस्टर कल्कि सिनेमाघरों में. 'कल्कि

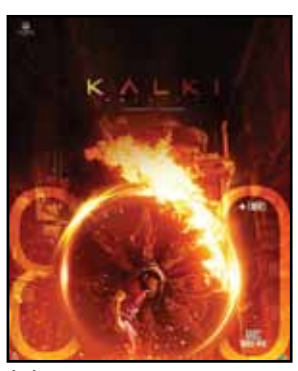

ने घेरलू बॉक्स ऑफिस पर भी गदर मचाया हुआ है, ये फिल्म हर रोज कई करोड़ कलेक्शन कर रही है और कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर रही हैं. इस फिल्म ने 9 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 431.5 करोड़ की कमाई कर ली है. इसी के साथ इस फिल्म ने बाहुबली 2 (421 करोड़) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. बता दें कि नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण, दिशा पटानी, सास्वता चटर्जी और शोभना ने अहम किरदार निभाया है. फिल्म में विजय देवरकोंडा, दुलकर सलमान और मृणाल ठाकुर ने कैमियो किया है. 'कल्कि 600 करोड़ के अनुमानित बजट पर तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में रिलीज़ हुई है. सर्वनाश के बाद की यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित है और वर्ष 2898 एडी पर आधारित है. यह फिल्म हिंदू महाकाव्य महाभारत और विज्ञान कथा का मिश्रण है, जिसका निर्माण वैजयंती मूवीज द्वारा किया गया है.

गिप्पी ग्रेवाल की अरदास सरबत दे भले दी का टीजर जारी

जैस्मीन भसीन संग जमी जोड़ी

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री वह इंडस्ट्री है, जिनकी फिल्में नॉर्थ जोन के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी दर्शक देखना पसंद करते हैं. बता दें, पंजाब इंडस्ट्री की कई हिट फिल्में हैं, जिन्होंने दूसरे प्रदेश के लोगों के दिलों में यह खास जगह बनाई है. अगर गिप्पी ग्रेवाल की बात करें तो वह पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के एक जाना माना चेहरा हैं. जहां उनकी पंजाब में ही नहीं दूसरी जगह भी काफी लंबी फैंस फॉलोइंग हैं. गिप्पी ग्रेवाल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म अरदास सरबत दे भले दी को लेकर सुर्ख़ियों में बने हुए हैं. हाल ही में इस फिल्म का टीजर दर्शकों के सामने आ गया है. बता दें, साल 2016 में आई गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म अरदास को दर्शकों ने काफी पसंद किया था. बॉक्स ऑफिस पर सफलता मिलने के बाद इसकी दूसरी किस्त अरदास करण भी मनोरंजन करने के लिए साल 2019 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. अब दर्शक अरदास की तीसरी किस्त यानी अरदास शरबत दे भले दी का इंतजार कर रहे थे. जो की जल्द ही दर्शकों के बीच में आने वाली है. जहां इस फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है. जिसमें दर्शक गिप्पी ग्रेवाल के अलावा अपने दूसरे पसंदीदा एक्टर्स को भी देख सकते हैं. आप फिल्म के टीजर का मजा यहां ले सकते हैं. फिल्म में गिप्पी की जोड़ी अभिनेत्री जैस्मिन भसीन के साथ बनी है. जहां आप टीजर की झलक में साफ-साफ देख सकते हैं. बता दें, फिल्म में जैस्मिन के अलावा गुरप्रीत सिंह, कंवलजीत सिंह जैसे एक्टर्स अहम किरदार में नजर आए हैं. वहीं फिल्म का निर्देशन गिप्पी ने किया है और कहानी भी उन्होंने ही लिखी है. यह फिल्म 13 सितंबर 2016 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.